page 1 and 8 oct 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 08-10-2025 01:29 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पीएम विकसित भारत रोजगार योजना और नई ईसीआर प्रणाली पर चर्चा

5 भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए मिशेल स्टार्क की टीम में वापसी

8 आलू की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 21 — अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

# देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-247 | जम्मू तवी, बुधवार 08 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

# बाढ़ प्रभावित जम्मू-कश्मीर के किसानों के लिए राहत की घोषणा

**नई दिल्ली, 7 अक्टूबर।** केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और डॉ. जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर में बाढ़ प्रभावित किसान परिवारों के लिए राहत पैकेज की घोषणा करने हेतु आयोजित बैठक में भाग लिया। इस निर्णय की घोषणा करते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के 8.5 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 171 करोड़ जमा किए जा रहे हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी और चौहान का धन्यवाद किया और बताया कि जम्मू संभाग के हाल ही में हुई बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त हुए 5000 से अधिक घरों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जिसमें पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए तत्काल राहत, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता शामिल है। प्रत्येक प्रभावित परिवार को 1.3 लाख की बुनियादी सहायता मिलेगी, साथ ही कृषि मंत्रालय द्वारा प्रति परिवार 40,000 की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। इस संदर्भ में सरकार की अतिरिक्त सहायता पर प्रकाश डालते हुए,

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रभावित कृषि भूमि में मृदा पुनर्स्थापन और गाद हटाने में सहायता के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ मानदंडों के तहत विशेष प्रावधानों पर भी विचार किया जा रहा है। मंत्री ने आगे कहा कि जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उन्हें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का भी लाभ मिलेगा, क्योंकि राज्य सरकार और बीमा कंपनियाँ क्षति आकलन सर्वेक्षण में तेजी ला रही हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने मनरेगा के माध्यम से रोजगार सहायता प्रदान करने, गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में कार्यदिवसों को 100 से बढ़ाकर 150 दिन करने, पशुओं के नुकसान के लिए मुआवजा देने और जिन परिवारों के घर नष्ट हो गए हैं, उनके लिए आवास सहायता प्रदान करने के सरकार के संकल्प को दोहराया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर में लैवेंडर की खेती और बागवानी विविधीकरण जैसी स्थानीय पहलों की सराहना की और इन्हें हिमालयी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और नवाचार का आदर्श बताया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रौद्योगिकी-सक्षम कार्यक्रमों, ड्रोन तकनीक और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं जैसी पहलों के माध्यम से सरकार के निरंतर समर्थन से किसान तेजी से आत्मनिर्भर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि स्टार्टअप्स ने जम्मू-कश्मीर में सफलतापूर्वक अपनी स्थापना की है, जिससे आजीविका का सृजन हुआ है और कृषि पद्धतियों में नवाचार को बढ़ावा मिला है।

## उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए पीएम-किसान सहायता जारी करने के लिए केंद्र का आभार व्यक्त किया

**जम्मू, 07 अक्टूबर।** जम्मू-कश्मीर के लगभग 8.55 लाख पात्र किसानों के बैंक खातों में मंगलवार को लगभग 171 करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए जायेंगे। इस पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के प्रति अग्रिम आभार जताया है।

उपराज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि आज जम्मू-कश्मीर के लगभग 8.55 लाख पात्र किसानों के बैंक खातों में लगभग 171 करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए जायेंगे। यह अत्यंत आवश्यक वित्तीय सहायता हमारे किसानों को अपनी आजीविका बनाए रखने और कृषि गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए तेज़ी से काम करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे किसान अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और अन्य क्षेत्रों में विकास के लिए मज़बूत आधार प्रदान करते हैं। भारत सरकार कई दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ के प्रभावों को कम करने और प्रभावित लोगों के जीवन में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## मुख्यमंत्री उमर ने पूंजीगत व्यय बजट और सीडीएफ के अंतर्गत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

### विकास कार्यों के त्वरित क्रियान्वयन और राजकोषीय अनुशासन के पालन के निर्देश दिए

**श्रीनगर 07 अक्टूबर।** मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कैपेक्स बजट के उपयोग और निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि के तहत कार्यों के निष्पादन तथा केंद्र शासित प्रदेश पूंजीगत व्यय के तहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उप मुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, मंत्री सकीना इत्तू, जावेद अहमद राणा, जाविद अहमद डार और सतीश शर्मा उपस्थित थे। मुख्य सचिव अटल डुल्लू, उच्च शिक्षा, जल शक्ति, पर्यटन, कृषि उत्पादन के अतिरिक्त मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के एसीएस, सभी प्रशासनिक सचिव, महानिदेशक बजट, महानिदेशक व्यय प्रभाग-I, महानिदेशक लेखा एवं कोषागार, महानिदेशक कोड्स/संसाधन, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अन्य जिलों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने विभाग और जिला-वार कैपेक्स एवं सीडीएफ के तहत प्रगति की समीक्षा की और परियोजनाओं के तेजी से निष्पादन तथा निधियों के समय पर उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विभागों को निर्देश दिया कि सभी कार्यों को 100 प्रतिशत बीईएएमएस पोर्टल पर अपलोड किया जाए तथा प्रशासनिक अनुमोदन और निविदा प्रक्रिया को तेज किया जाए, विशेष रूप से कश्मीर संभाग में सीमित कार्यकारी मौसम को ध्यान में रखते हुए।

मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग को निर्देश दिया कि बजट में शामिल कार्यों का निर्वाचन क्षेत्र-वार डेटा तैयार किया जाए जो विधायकों द्वारा प्राथमिकता दी गई हो और जिलों को निर्देश दिया कि सीडीएफ कार्यों को तत्काल बीईएएमएस पर अपलोड करें, प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त करें और कार्यों का शीघ्र निष्पादन प्रारंभ करें। उन्होंने विधायकों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित कर सीडीएफ कार्यों को तेजी से पूरा करने और जमीनी स्तर पर स्पष्ट विकास परिणाम सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने राजस्व प्राप्ति बढ़ाने और बचने योग्य खर्चों में कटौती के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, जहां संभव हो हमें अपने राजस्व को बढ़ाना है, हमें सभी अनावश्यक खर्चों में कटौती करनी है, लेकिन साथ ही, जो धन आवंटित किया गया है उसे विभिन्न योजनाओं में कुशलतापूर्वक खर्च करना है।

## खबर संक्षेप

### सरकार ने जम्मू-कश्मीर बाल अधिकार आयोग के लिए चयन समिति का किया पुनर्गठन

**श्रीनगर, 7 अक्टूबर।** सरकार ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के पदों पर नियुक्तियों की सिफारिश करने वाली चयन समिति के पुनर्गठन का आदेश दिया।

उपराज्यपाल के निर्देशों पर जीएडी-जेके द्वारा जारी सरकारी आदेश के अनुसार समिति में समाज कल्याण विभाग के मंत्री अध्यक्ष होंगे और समाज कल्याण विभाग के प्रशासनिक सचिव तथा विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के सचिव सदस्य होंगे। समिति को जम्मू-कश्मीर बाल अधिकार आयोग नियम 2022 का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक चयन सूची तैयार करने और सिफारिशें प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। यह प्रत्येक पद के लिए दो उम्मीदवारों की प्रतीक्षा सूची भी तैयार करेगी जो तीन महीने के लिए वैध होगी।

### भारी बारिश के कारण जम्मू में रेलवे सेवाओं का चरणबद्ध संचालन रद्द

**जम्मू, 7 अक्टूबर।** भारी बारिश के कारण जम्मू में नॉर्दर्न रेलवे ने ट्रेन सेवाओं के चरणबद्ध पुनः संचालन को रद्द कर दिया है। पांचवें चरण में कई प्रमुख ट्रेनों का संचालन शुरू होना था जो अब स्थगित कर दिया गया है। प्रमुख ट्रेनों की नई तिथियां हैं- जम्मू तवी-नई दिल्ली 16 अक्टूबर, जम्मू तवी-पुणे 17 अक्टूबर, जम्मू तवी-टाटानगर 18 अक्टूबर और जम्मू तवी-नांदेड़ 19 अक्टूबर। कुछ ट्रेनों को ट्रैक और पुलों की मरम्मत के चलते शॉर्ट-टर्मिनेट या शॉर्ट-ओरिजिनेट किया गया है। यात्रियों को यात्रा से पहले भारतीय रेलवे की वेबसाइट या रेल मदद (139) से ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है।

## रेलवे की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंत्रिमंडल की मंजूरी

**नयी दिल्ली, 07 अक्टूबर।** सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों को कवर करने वाली रेलवे की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है जिनसे भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 894 किलोमीटर बढ़ जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इन चारों परियोजनाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बैठक के बाद रेल और सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि इन पर करीब 24,634 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

उन्होंने बताया कि जिन परियोजनाओं को इसमें शामिल किया गया है उनमें महाराष्ट्र में वर्धा-भुसावल खंड पर तीसरी और चौथी लाइन का निर्माण है। इस परियोजना की लंबाई 314 किलोमीटर है। दूसरी छत्तीसगढ़ की गोंदिया-डोंगरगढ़ की चौथी लाइन है जिसकी लंबाई 84 किलोमीटर है।

रेल मंत्री ने बताया कि गुजरात और मध्य प्रदेश के वडोदरा - रतलाम की तीसरी और चौथी लाइन की परियोजना है जिसकी लंबाई 259 किलोमीटर है। चौथी परियोजना के तहत मध्य प्रदेश में इटारसी - भोपाल- बीना मार्ग पर 237 किलोमीटर लंबी चौथी लाइन का निर्माण किया जाएगा। श्री वैष्णव ने कहा कि परियोजना में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्यों के 18 जिलों को कवर करने वाली इन चार परियोजनाओं पर काम पूरा होने के बाद देश में रेल नेटवर्क करीब 894 किमी तक बढ़ जाएगा। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 100 किमी तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी और 3,633 गाँव की लगभग 85.84 लाख आबादी को इसका फायदा होगा।

## वैष्णो देवी यात्रा बुधवार से फिर शुरू

**जम्मू, 07 अक्टूबर।** खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार तीसरे दिन स्थगित रही। भारतीय मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया था। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी स्थगित रही और यह बुधवार आठ अक्टूबर को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, भक्त आधिकारिक माध्यमों से अपडेट रह सकते हैं। भारी बारिश के कारण 26 अगस्त को यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उस दिन अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के बाद हुये भूस्खलन में 34 लोग मारे गये थे और कई अन्य घायल हुये थे। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक तीन सदस्य वाली उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में उधमपुर में सबसे अधिक 100.2 मिमी बारिश हुई।

### भूस्खलन, पत्थर गिरने के कारण जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए बंद

**श्रीनगर, 7 अक्टूबर।** भारी बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन, पत्थर गिरने और मिट्टी धंसने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। यातायात विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बर्फ जमा होने के कारण मुगल रोड, एसएसजी रोड और सिंथन टॉप भी बंद हैं। अधिकारियों ने यात्रियों और परिवहनकर्ताओं को सड़कों के पूरी तरह से बहाल होने तक इन मार्गों पर यात्रा न करने की सख्त सलाह दी है।

## नदी में कैब गिरने से 6 लोग घायल

**गांदरबल, 7 अक्टूबर।** मंगलवार सुबह द्रास के मीनामार्ग इलाके के पास एक सड़क दुर्घटना में कम से कम छह लोग घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर की ओर जा रही एक ज़ाइलो गाड़ी (पंजीकरण संख्या जेके 07-4380) मीनामार्ग पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले खुशाल मोड़ पर चालक के नियंत्रण खो देने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई और गाड़ी लगभग 150 फीट नीचे द्रास नदी में गिर गई।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय कैब में चालक समेत छह लोग सवार थे। दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू किया गया और पुलिस ने सभी छह लोगों को सुरक्षित बचा लिया और उन्हें इलाज के लिए एसडीएच द्रास भेज दिया।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन द्रास ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125 (ए) के तहत एफआईआर संख्या 65/2025 दर्ज की है।

## मुख्य सचिव ने परिवहन क्षेत्र के आधुनिकीकरण में तेजी लाने के लिए कहा

**श्रीनगर 07 अक्टूबर।** मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने परिवहन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें इसके समग्र कामकाज, आधुनिकीकरण पहलों और जम्मू-कश्मीर में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के उपायों का आकलन किया गया।

बैठक में परिवहन सचिव अवनी लवासा, परिवहन आयुक्त, प्रबंध निदेशक जेके आरटीसी, मोटर गैराज निदेशक, कश्मीर और जम्मू के आरटीओ समेत विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने ड्राइवर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान जम्मू और निरीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र सांबा सहित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने और चालू करने पर जोर दिया और इन्हें केंद्र शासित प्रदेश में परिवहन सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए अहम बताया।

उन्होंने सभी क्रियान्वयन एजेंसियों को मिशन मोड में कार्यान्वयन और समयबद्ध परियोजना पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जन सेवा वितरण और दक्षता में सुधार हो सके। सड़क सुरक्षा को विभाग की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक बताते हुए मुख्य सचिव ने यातायात उल्लंघन रोकने और सड़क दुर्घटनाएं कम करने के लिए व्यापक कार्य योजना बनाने पर बल दिया। उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने तथा लगातार नियम तोड़ने वालों के वाहनों को जब्त करने जैसे प्रवर्तन उपायों की समीक्षा की। सड़क दुर्घटनाओं, मृत्युओं और सड़क सुरक्षा कोष के तहत पीड़ितों को दी गई राहत की स्थिति के अलावा ड्राइविंग लाइसेंस वितरण और लंबित मामलों के निपटारे की गति की भी समीक्षा की।

## जेएनपीए ने जम्मू-कश्मीर के निर्यातकों से समुद्री व्यापार के अवसरों को तलाशने का आह्वान किया

**सुनील दत्त**

**मुंबई, 7 अक्टूबर।** जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (JNPA) के अध्यक्ष उन्मेष शरद वाघ ने जम्मू-कश्मीर के व्यापारियों और निर्यातकों से अपील की है कि वे आयात-निर्यात के लिए जेएनपीए की आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाओं का लाभ उठाएं, जो जम्मू-कश्मीर के लिए एक उपयुक्त गेटवे पोर्ट है। उन्होंने मुंबई में आयोजित एक संवाद के दौरान जम्मू-कश्मीर के मीडिया प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि जेएनपीए जम्मू-कश्मीर का प्रवेश द्वार है। प्रभावी बंदरगाह कनेक्टिविटी कश्मीर के सेब, अखरोट, हस्तशिल्प, बागवानी और कृषि उत्पादों के घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच के लिए अत्यंत आवश्यक है। वाघ ने आगे कहा कि इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 आगामी 27 से 31 अक्टूबर तक मुंबई में

आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उद्यमियों, निर्यातकों और व्यापारियों से इस कार्यक्रम में शामिल होकर नए व्यावसायिक साझेदारी के अवसर तलाशने का आग्रह किया। वाघ ने बताया कि जेएनपीए देश का सबसे बड़ा कंटेनर हैंडलिंग पोर्ट है, जो भारत की समुद्री व्यापार क्षमता और लॉजिस्टिक दक्षता को मजबूत बना रहा है। उन्होंने बंदरगाह के आधुनिकीकरण, विस्तार योजनाओं और तकनीकी नवाचारों पर भी प्रकाश डाला, जिनसे जेएनपीए विश्वस्तरीय मानकों तक पहुँचा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वधावन पोर्ट परियोजना, जो निर्माणाधीन है, भारत का सबसे बड़ा और विश्व का सातवां सबसे बड़ा बंदरगाह बनने जा रहा है। इसके शुरू होने से जम्मू-कश्मीर सहित पूरे उत्तर भारत के व्यापार को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर जेएनपीए की वरिष्ठ प्रबंधक मार्केटिंग एवं जनसंपर्क अंबिका सिंह, जो वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड में कॉरपोरेट कम्युनिकेशन एवं ट्रेनिंग की डीजीएम भी हैं, ने मीडिया प्रतिनिधियों को बंदरगाह की कार्यप्रणाली, डिजिटलीकरण, और ग्रीन पहल से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वधावन पोर्ट परियोजना वर्ष 2030 तक पूर्ण होने की उम्मीद है।

यह दौरा प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (PIB) जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय मीडिया टूर का हिस्सा है, जिसमें जम्मू और श्रीनगर के 14 पत्रकार शामिल हैं। इस दल का नेतृत्व नेहा जलाली, निदेशक, पीआईबी जम्मू द्वारा किया जा रहा है, जबकि जयदेवी पुजारी स्वामी, उप निदेशक, पीआईबी मुंबई भी उपस्थित थीं। इस मीडिया टूर का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के पत्रकारों को देश की प्रमुख विकास परियोजनाओं, केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (CPSEs), और औद्योगिक संस्थानों की कार्यप्रणाली से परिचित कराना है, ताकि क्षेत्रीय मीडिया और राष्ट्रीय संस्थाओं के बीच गहरा संवाद और समझ विकसित हो सके।

## जाविद डार ने पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त की अग्रिम रिलीज पर वर्चुअल बैठक में भाग लिया

**श्रीनगर, 07 अक्टूबर।** कृषि उत्पादन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज, सहकारिता और निर्वाचन विभाग के मंत्री जाविद अहमद डार ने पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त की अग्रिम रिलीज पर एक वर्चुअल बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने की। केंद्रीय मंत्री ने जम्मू और कश्मीर सहित सभी पात्र किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की अग्रिम 21वीं किस्त जारी की। इस पहल से जम्मू-कश्मीर के लगभग 8.55 लाख लाभार्थियों को फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री ने क्षतिग्रस्त घरों के लिए 1.40 लाख रुपये की सहायता और प्रत्येक परिवार के लिए अतिरिक्त 30,000 रुपये की घोषणा की, जिससे कुल राशि 1.70 लाख रुपये हो गई। जेएंडके के कृषि उत्पादन विभाग मंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त की रिहाई किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने और जम्मू-कश्मीर में विशेष रूप से हालिया बाढ़ के बाद कृषि विकास को बढ़ावा देने

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, यह विकास मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मार्गदर्शन में कृषि उत्पादन विभाग और केंद्र सरकार के बीच घनिष्ठ समन्वय का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि धनराशि की समय पर रिहाई से जम्मू-कश्मीर के किसानों को अत्यंत आवश्यक राहत मिलेगी, जिससे वे अपनी कृषि गतिविधियों को पुनर्जीवित कर सकेंगे और अपने जीवनयापन का पुनर्निर्माण कर सकेंगे। जम्मू-कश्मीर और केंद्र सरकार के बीच यह सहयोग .षि क्षेत्र के समर्थन और जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जाविद डार ने केंद्रीय मंत्री से जम्मू और कश्मीर के लिए एक विशेष पैकेज प्रदान करने का अनुरोध किया, जैसा कि पहले शिवराज सिंह चौहान की जम्मू यात्रा के दौरान चर्चा की गई थी।

## साइबर पुलिस जम्मू ने 4.44 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया; गुजरात से तीन आरोपी गिरफ्तार

**जम्मू, 7 अक्टूबर।** साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता में साइबर पुलिस स्टेशन जम्मू ने 4.44 करोड़ से जुड़े एक उच्च-मूल्य वाले साइबर धोखाधड़ी का सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है जिसके परिणामस्वरूप सूरत, गुजरात से तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।

यह सावधानीपूर्वक समन्वित ऑपरेशन जोगिंदर सिंह जेकेपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू के समग्र पर्यवेक्षण के तहत कामेश्वर पुरी, पुलिस अधीक्षक (प्रभारी साइबर पुलिस स्टेशन जम्मू) और जांच अधिकारी रोहित चडगल पुलिस उपाधीक्षक साइबर जम्मू के सक्रिय मार्गदर्शन और समर्थन के साथ आयोजित किया गया था।

मामले के संक्षिप्त तथ्य

2 सितंबर, 2025 को साइबर पुलिस स्टेशन जम्मू में एक पीड़ित से एक लिखित शिकायत प्राप्त हुई जिसमें आरोप लगाया गया कि साइबर अपराधियों ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों का रूप धारण करके उससे 4.44 करोड़ की धोखाधड़ी की है।

धोखेबाजों ने शिकायतकर्ता पर उसके आधार और सिम क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया। भय और मनोवैज्ञानिक दबाव का फायदा उठाते हुए और डिजिटल गिरफ्तारी करते हुए उन्होंने धोखे से पीड़ित को धोखाधड़ी वाले लेनदेन की एक श्रृंखला के माध्यम से कई बैंक खातों में 4,44,20,000/ स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया।

## सरकार का ध्यान हर जीएमसी को कुशलतापूर्वक संचालित करने और मरीजों व छात्रों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने पर है : सकीना इत्तू

**श्रीनगर, 07 अक्टूबर।** स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक कल्याण और शिक्षा मंत्री साकीना इत्तू ने अनंतनाग, श्रीनगर, बारामुला और हंदवाड़ा स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेजों के समग्र प्रदर्शन, कार्यप्रणाली और आधारभूत ढांचे के विकास का आकलन करने हेतु एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, एमडी जेकेएमएससीएल, सभी जीएमसी के प्राचार्य और चिकित्सा अधीक्षक, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के वित्त/योजना निदेशक, लोक निर्माण विभाग के दक्षिण, मध्य और उत्तर कश्मीर के मुख्य अभियंता, यांत्रिक मुख्य

अभियंता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान मंत्री ने चारों संस्थानों में शैक्षणिक प्रदर्शन, रोगी सेवा, जनशक्ति की स्थिति और चल रहे आधारभूत ढांचा परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी ली।

जीएमसी में चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि जीएमसी क्षेत्र के तृतीयक स्वास्थ्य नेटवर्क की रीढ़ हैं और इन्हें उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और रोगी सेवाएं प्रदान करनी चाहिए, साथ ही इनके संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ये मेडिकल कॉलेज न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता के केंद्र हैं, बल्कि जनता को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण संस्थान भी हैं। हमारा ध्यान इस बात पर है कि हर जीएमसी कुशलतापूर्वक कार्य करे और मरीजों व विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करे।

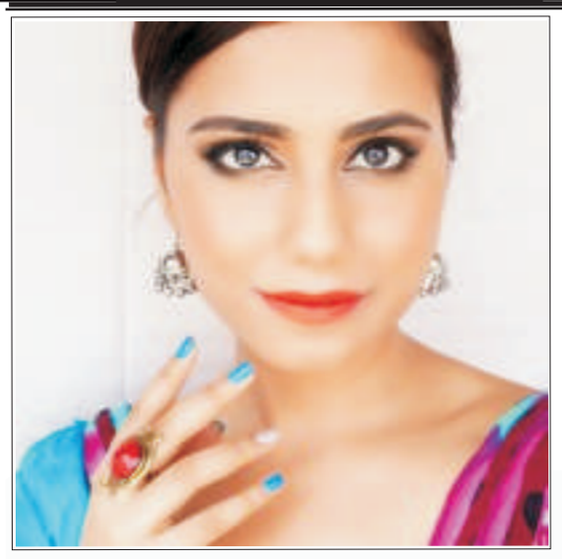

# त्योहार पर पाएं दमकती त्वचा

साभार : अशोक कुमार

त्योहार के समय वातावरण खुशनुमा, आनंदित और उर्जापूर्ण होता है। बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं, पुरुष सब नए-नए वस्त्र पहनकर जश्न मनाने के मूड में होते हैं और एक दूसरे के साथ उपहार का आदान-प्रदान करते रहते हैं साथ हीं साथ पूजा आराधना भी करते हैं।

त्योहार के समय अच्छे-अच्छे कपड़े तो लोगों को तुरंत और दुकानों पर उपलब्ध हो जाते हैं और उन कपड़ों को पहनने के बाद भी कई महिलाओं को लगता है की उनकी त्वचा रुखी सूखी है जिसकी वजह से उन्हें अपनी सुन्दरता में कमी नजर आती है। और उनके मन के कोने में हमेशा यह बात बैठी रहती है जिसकी वजह से उनके त्योहार का मजा किरकिरा होने लगता है। जी हाँ ! यदि आपकी त्वचा चमकती हुई नहीं है या उनमें रूखापन है तो आपको हमेशा यह डर भी सताता रहेगा की इससे कही आपकी सुन्दरता में कमी न आ जाये। इससे आपका आत्मविश्वास भी कम होगा। जबकि दमकती त्वचा आपकी सुन्दरता में चार चाँद लगा देगी। तो अगर आप घरेलू उपाय से कम से कम समय में त्वचा में निखार पाना चाहती हैं तो नीचे दिए गए उपायों पर अमल करें।

**घरेलू प्रयोग**

अपनी त्वचा को नियमित रूप से साफ़ करने के लिए जई, जिसे अंग्रेजी में ओट्स कहते हैं, को दूध या दही में मिलाकर घोल बना लें और उसे अपने चेहरे पर मलें । करीबन 10 मिनट बाद उसे धो दें और एक नर्म तौलिये से उसे सुखा दें।

जिनकी त्वचा शुष्क होती है, उन्हें दूध या दही, और ग्लिसरीन और शहद के साथ बादाम चूरा मिलाकर लगाना चाहिए। बादाम और शहद बहुत ही बढ़िया मॉइसचराईज़र होते हैं।

मौसमी फलों का लाभ उठाएं। नारंगियां सौम्य ब्लीचिंग एजेंट होती हैं और स्ट्राबैरी त्वचा के तेल पर नियंत्रण रखती हैं।

त्वचा में पाए गए खुले छिद्र पूरी तरह से बंद नहीं किये जा सकते पर सिकोड़े ज़रूर जा सकते हैं और वह इस तरह अंडे के सफ़ेद भाग और शहद का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मलें और 10 मिनट बाद उसे धो डालें। इससे त्वचा में खुले हुए छिद्र सिकुड़ और कस जायेंगे। और चेहरे के महीन बाल भी गायब हो जायेंगे।

**पेशेवर उपचार**

अगर आपके पास ऊपर बताये गए नुस्खों के लिए समय नहीं है, तो आप किसी स्पा यानि कि स्वास्थ्य केंद्र की सहायता ले सकती हैं।

आजकल कई स्पा आपके सौंदर्य में चार चांद लगाने के लिए 24 कैरेट स्वर्ण भस्म और नैसर्गिक सामग्रियां जैसे कि दूध, नींबू और चॉकलेट या गुलाब का प्रयोग करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहार से कम से कम 15 दिन पहले सौंदर्य उपचार कराना चाहिए ताकि त्योहार पर त्वचा की बढ़ी हुई दमक लोग देखते ही रह जाएं।

आपको अपनी इस नई दमकती त्वचा के सौंदर्य को बनाये रखने के लिए, सन स्क्त्रीन का भी उपयोग करना चाहिए। आप अपनी त्वचा को नम रखें, ताकि सौन्दर्य उपचार का प्रभाव लंबे समय तक बना रहे।

पूरे शरीर को सुंदर और कोमल बनाने के लिए हल्दी, अच्छे चन्दन के चूरे और दूध का घोल बनाकर अपने पूरे शरीर पर मल दें और एक तौलिये से लपेट लें और करीबन एक घटे के बाद नहा लें।

यह बॉडी रैप न सिर्फ आपकी त्वचा को आभा प्रदान करता है, बल्कि उसके छिद्रों को भी साफ़ कर देता है। इसके बाद आप अमरुद के गूदे और दही का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मल दें और थोड़ी देर बाद धो दें। इससे आपके चेहरे पर रह गए हल्दी के दाग गायब हो जायेंगे। या फिर गाजर के गूदे और दही का घोल बनाकर पूरे शरीर पर मल दें। इससे भी आपके शरीर पर से हल्दी के बचे खुचे निशान मिट जायेंगे।

# सफेद बालों से पाएं छुटकारा

सफेद बाल, अगर आप उसका अंगिकार करते हैं सुरुचिपूर्ण और स्टाइलिश हो सकते है। यह व्यक्ति की पसंद पर निर्भर करता है। अगर कोई व्यक्ति सफेद बालों को दिखाना पसंद नहीं करता है, तो वैकल्पिक रूप से उसे छिपा सकते है। यहां सफेद बालों के संकट को हल करने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं

किसी की उम्र 16 हैं या 60 साल की है, सफेद बाल हमेशा किसी या अन्य दिन अचानक प्रकट हो सकते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बालों में रंगद्रव्य उत्पादन करने वाले पदार्थ कम होते है, और बालों को किसी भी रंग के बिना छोड़ते है। यह भूरे या सफेद बाल उनके साथ कुछ नई चुनौतियों लाते है, हालाकि इसपर आसान समाधान उपलब्ध हैं और आपके बालों को कुछ

स्टाइलिश और आकर्षक बना सकते हैं।

कुछ लोग केवल कुछ बाल सफेद होने की समस्या का सामना करते हैं, लेकिन यह सफेद हुए बाल भी ऐसे जगह दिखते है, जहां सबका ध्यान आकर्षित होता हैं। इन सफेद बालों के संकट को दूर करने का एक समाधान है, इन बालों को उखाड़ देना। क्योंकि सफेद बाल अधिक सूखे और भंगुर होते हैं, अगर कोई एक आकर्षक केश रचना करता है, तो भी वे काटे की तरह खड़े रह सकते हैं। इसलिए, अगर आपके ज्यादा बाल सफेद नही हैं, तो आपको उन्हें उखाड़ना चाहिए। इस आम धारणा के विपरीत, की अगर आप एक सफेद बाल उखाड़ेंगे तो उस जगह दो नये सफेद बाल उगेंगे। यदि आपके बाल जल्दी सफेद हो रहे है, तो जब भी आप बाल उखाड़ते है, तो ऐसा लग सकता है, की सफेद बालों की संख्या हर बार आपके बाल उखाड़ने पर बढ़ रही है, लेकिन ऐसा नही है, चाहे आप पहले बाल उखाड़े या नही उनका बढ़ना शुरु रहेगा।

कुछ ऐसे मामले है, जहा लोगों को सफेद बालों को रंगने में समस्या का सामना करना पड़ता हैं। चाहे आप अपने बालों को खुद रंगाए या एक पेशेवर से रंगाए, स्टाइलिस्ट आपको आपके लिए क्या सबसे अच्छा रहेगा इस पर सुझाव दे सकते हैं। आपके रंगों की पसंद के बारे में अपने स्टाइलिस्ट से बात करें, बाजार में कई प्रकार के रंग आज उपलब्ध हैं, कई महिलाओं को उनके प्राकृतिक बालों के रंग से एक या दो शेड हल्का गहरा रंग आसानी से मिल सकता हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया है, अगर आपके सफेद बाल उखाड़ने से परे बहुत ज्यादा व्यापक है, लेकिन समान रूप से वितरित है और आपके बालों का प्राकृतिक रंग अभी भी प्रमुख है, तो स्टाइलिस्ट आपके सफेद बालों को अलग से रंग कर हायलाइट या लोलाईट करके मिश्रित कर सकते है।

कभी कभी, सफेद बालों के संकट के साथ लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह सालों तक बालों को छुपाते है। और अब क्योंकि लगभग सभी बाल सफेद हो जाते हैं, उनको उन्हे अपने प्राकृतिक रंग में बनाने की इच्छा होती हैं। इस के लिए एक समाधान है, कि जब सफेद बालों कों वास्तव में रंग का अभाव होता है, तब आपके सफेद बालों को रंगना और अधिक मुश्किल होगा। इसलिए, आप रंगों के शेड में क्त्रमिक बदलाव कर सकते है, जब आपके सफेद बाल बढ़ते है, तब सफेद बालों को रंगानें वाले साधनों का धीर-धीरे इस्तेमाल करे। वैकल्पिक रुप में आप बालों की जडों पर अस्थायी या अर्ध स्थायी रंगों से रंग सकते हैं। यहां आपकी मदद करने वाले उत्पाद आपके सफेद बालो को छुपाएंगे और बहुत बार शैंपू कर के रंग निकालने के बजाय और एक बार धोने से रंग के निकल जाने के बाद आप तय कर सकते हैं कि क्या आपको किसी अन्य अनुप्रयोग की आवश्यकता है। आप जिसका भी चुनाव करे, एक कम समय की केश रचना परिवर्तन समय को कम करने में मदद करेगी।

# हर दिन लगे ब्यूटीफुल

खूबसूरत दिखना हर किसी की प्राथमिकता नहीं हो सकती। अगर आपके पास हर दिन अच्छी तरह तैयार होने का समय नहीं होता है तो कम से कम इतना तो आप तय कर सकती हैं, कोई ऐसी कमी न रह जाए जो आपके पूरे रूप को खराब कर दे। मसलन जिस दिन आप तैयार हों, मेकअप तो कर लें लेकिन नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश हटाना भूल जाएं। ऐसी ही छोटी-छोटी गलतिया हम जाने-अनजाने कर जाते हैं जो हमारे सौंदर्य पर ग्रहण लगा देती हैं। सौंदर्य विशेषज्ञा विद्या टिकारी के अनुसार मेकअप का बेसिक तरीका हर किसी के लिए जानना जरूरी है। यहा वह आपको ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातें बता रही हैं जिन्हें अपनाकर आप हमेशा स्मार्ट और सुंदर दिख सकती हैं।

**उखडी हुई नेलपॉलिश**

नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश यह दर्शाती है, कि आप अपने सौंदर्य के प्रति जरा भी सचेत नहीं है। या तो आप नई नेल पॉलिश लगाएं या फिर रिमूवर से नाखून साफ करके यूं ही छोड दें। लेकिन आधी-अधूरी उखडी हुई नेलपॉलिश आपकी छवि को खराब कर देती है। अगर आपका नेल रिमूवर खत्म हो गया है, तो कोई भी डार्क शेड्स की नेलपॉलिश लगाने से पहले रिमूवर की बॉटल जरूर खरीद लें। लगभग 3-4 दिन में आपकी नेलपॉलिश उखडने लगती है। ऐसे में या तो आप नेलपॉलिश का दूसरा कोट उसके ऊपर लगाएं या रिमूवर से साफ करके नई नेल पॉलिश लगाएं। अगर आपके पास बार-बार नेलपॉलिश हटाकर दूसरी लगाने का समय नहीं होता है, या आप इस ओर ध्यान नहीं दे पाती हैं, तो बेहतर होगा कि आप हमेशा लाइट शेड वाली नेल पॉलिश चुनें। ताकि उखडने पर लोगों का ध्यान उस तरफ न जाए।

**सफ़ेद बाल**

अगर आपके बाल सफेद होना शुरू हो गए हैं और आप अपने बालों में नियमित रूप से हेयर कलर का प्रयोग करती हैं, तो यह बहुत जरूरी है कि हेयर कलर आपके बालों की जड़ों के पास जरूर लगा हो। वरना सिर की त्वचा के पास दिखने वाले सफेद बाल आपके लुक को खराब कर देते हैं। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखें कि बालों की जडों के पास हमेशा गहरा काला रंग न लगाएं। ताकि अगर कभी हेयर कलर कराने में देर हो जाए तो वहा आए सफेद बाल बहुत अधिक खराब न लगें। बेहतर होगा कि आप दो शेड के हेयर कलर चुनें। ताकि यह स्ट्रीक्ड इफेक्ट दे। यह विकल्प अपने बालों के प्राकृतिक रंग से मेल खाता जेट ब्लैक कलर चुनने से अधिक बेहतर होगा। बाजार में तमाम शेड्स के हेयर कलर उपलब्ध हैं, अपनी स्किन टोन से मेल खाता कोई भी कलर आप चुन सकती हैं। यह सफेद बाल नजर आने से बेहतर होगा। ब्राउन और माहोगनी शेड्स आसानी से चुनें जा सकते हैं। कभी माहोगनी और कभी ब्राउन कलर कराएं। ताकि ग्रे हेयर लोगों को नजर न आएं।

**रूखे, बिखरे बाल**

रूखे, बेजान व बिखरे बालों की देखभाल के तमाम उपाय बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन आप तब भी उन्हें नहीं अपनाती तो यह आपकी गलती है। बाल हर स्त्री की क्त्राउनिंग ग्लोरी होते हैं। कम से कम इन्हें सही तो रखें। ऐसे बालों को कभी भी खोलकर न रखें। अत्यधिक रूखे बालों को सही अवस्था में करने के लिए थोडे से पानी में 3-4 बूंद तेल मिलाकर बालों में लगाएं और फिर पोनी बाध लें। इससे वे संवरे और साफ नजर आएंगे। इसी तरह अगर आपके बाल लंबे, घुंघराले व नीचे से पतले हैं तो सिरों को बिना कर्ल किए उन्हें खुला न छोडें। यह बालों को सिरे से एक सपोर्ट देता है।

**फैली हुई लिपस्टिक**

फैली हुई लिपस्टिक आपके लुक को खराब तो करती ही है, आप कितनी लापरवाह हैं, यह भी दर्शाती है। अगर आपके होंठों में लिपस्टिक अधिक देर तक नहीं टिक पाती, या आप लिपस्टिक खा जाती हैं तो हमेशा क्त्रीमी मैट वाली लाइट शेड की लिपस्टिक चुनें। लगाने से पहले होंठों पर हलका सा फाउंडेशन लगाएं। मैट लिप लाइनर से आउटलाइन बनाएं फिर होंठों को भरें।

**बिगडी हुई आइब्रोज**

शार्प आईब्रोज का असर जबरदस्त होता है। अगर आपकी ग्रोथ अच्छी है तो नियमित रूप से बनवाना बेहद आवश्यक है। आप कितना ही अच्छा मेकअप कर लें, अगर आइब्रो सही शेप में नहीं हैं तो अच्छा नहीं लगेगा।

**अपर लिप**

अगर आपके अपर लिप पर काफी बाल हैं और थ्रेडिंग कराने के बाद उस भाग पर हरापन या लाली रहती है तो कंसीलर से उसे छिपाना न भूलें। अगर आपके बाल अत्यधिक हैं तो अपर लिप एरिया में थ्रेडिंग, वैक्स या ब्लीच जरूर कराएं। आप चाहें तो इसे लेजर के जरिये पर्मानेंट हटा सकती हैं। छोटी-छोटी गलतियों से आपका सौंदर्य प्रभावित हो सकता है, इस बात का हमेशा ध्यान रखें। खुद में सुंदरता का एहसास करें और अपने सौंदर्य को संवारने का प्रयास करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

# आईआईटी जम्मू में खेल महोत्सव सम्पन्न, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

**जम्मू, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए आईआईटी जम्मू द्वारा आयोजित इंटर-इंस्टीट्यूशन स्पोर्ट्स फेस्टिवल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय ने क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, ई-स्पोर्ट्स और एथलेटिक्स सहित आठ विधाओं में भाग लिया। प्रतियोगिता में एसएमवीडीयू की टीमों ने बैडमिंटन (पुरुष) और टेबल टेनिस (पुरुष) में प्रथम स्थान, क्रिकेट (पुरुष) में द्वितीय स्थान, जबकि बास्केटबॉल और वॉलीबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 7 स्वर्ण, 4 रजत और 6 कांस्य पदक जीते। विशेष रूप से महिला एथलेटिक्स टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं एसएमवीडीयू की एक प्रतिभागी ने सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का खिताब भी अपने नाम किया।

टीमों का नेतृत्व विश्वविद्यालय के खेल कोच और प्रबंधक बलबीर सिंह, सुमित शर्मा और सुधर्शन शर्मा ने किया। खेल प्रभारी डॉ. परवेज़ सिंह सलाथिया ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की तथा भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने भी विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों ने अपने परिश्रम और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

# पीएम विकसित भारत रोजगार योजना और नई ईसीआर प्रणाली पर चर्चा

**जम्मू, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 जम्मू, सुमीत सिंह ने मंगलवार को जम्मू संभाग के प्रमुख नियोक्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की जिसमें प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना और पुनः अभिकल्पित इलेक्ट्रॉनिक चालान-कम-रिटर्न प्रणाली के क्रियान्वयन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक का उद्देश्य नियोक्ताओं की अनुपालना में सुधार, अधिक संस्थानों को कवरेज के दायरे में लाना और ईपीएफ योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठानों की पारदर्शिता को बढ़ाना था। सत्र के दौरान सुमीत सिंह ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल औपचारिक रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने और संगठित क्षेत्र के अधिकाधिक कर्मचारियों को भविष्य निधि, पेंशन और बीमा के लाभों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नियोक्ताओं से आग्रह किया कि वे पात्र नए कर्मचारियों का पंजीकरण सुनिश्चित करें और योजना के तहत उपलब्ध प्रोत्साहनों का लाभ उठाएं। बैठक में प्रमुख नियोक्ता आदर्श टिक्कू (सुदामा बिजनेस सॉल्यूशंस), सोहन लाल शर्मा (गुरजीत लेबर कॉन्ट्रैक्टर), ज्ञानेश्वर (साई सन्तोष लेबर कॉन्ट्रैक्टर) सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ईपीएफओ जम्मू द्वारा नियोक्ताओं और कर्मचारी संघों के साथ नियमित संवाद सत्र आयोजित किए जा रहे हैं ताकि पुनः अभिकल्पित ईसीआर-साइट्स प्रणाली की जानकारी दी जा सके। इन सत्रों में नई ईसीआर प्रणाली के लाभों, तकनीकी सुधारों और संचालन संबंधी समस्याओं के समाधान पर जोर दिया जा रहा है।

# जम्मू में अंतर-जिला तैराकी चैम्पियनशिप में युवाओं ने दिखाया जलवा

**जम्मू, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** युवा सेवाएं एवं खेल विभाग (डीवाईएसएस), जम्मू-कश्मीर द्वारा इंटर-डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन आईडीपीएस स्कूल, सुजवां में किया गया। इस प्रतियोगिता ने पूरे केंद्रशासित प्रदेश से आए युवा तैराकों की असाधारण प्रतिभा और खेल भावना को प्रदर्शित किया। चैम्पियनशिप के अंतिम दिन बालक वर्ग की प्रतियोगिताओं में जम्मू और श्रीनगर जिलों के प्रतिभागियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। रोमांचक रेसों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और क्षेत्र में तैराकी खेल की बढ़ती लोकप्रियता को उजागर 7 के 100 मीटर फ्रीस्टाइल में जम्मू के मूसा परवेज़ ने 1:02:32 के उत्कृष्ट समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि श्रीनगर के बरक़त अली और जम्मू के दिव्यन अग्रवाल ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। 50 मीटर बैकस्ट्रोक में श्रीनगर के अब्दुल अलीम ने 43:21 के समय के साथ बाज़ी मारी। अंडर-19 के 50 मीटर बटरफ्लाई में जम्मू के कार्तिकेय चौधरी ने शानदार 00:33:10 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि श्रीनगर के जुनैद और कौसर अली ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक प्राप्त किए।

इसी बीच अंडर-14 वर्ग में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में जम्मू के राजवर्धन सिंह ने स्वर्ण जीता, जबकि डाकर विरान यादव (जम्मू) और अबरार अली (श्रीनगर) ने रजत और कांस्य प्राप्त किए। 50 मीटर फ्रीस्टाइल में जम्मू के आर्यन प्रभाकर ने 29:30 के तेज़ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 50 मीटर बटरफ्लाई में भी 35:17 के समय से स्वर्ण हासिल किया। 50 मीटर बैकस्ट्रोक में जम्मू के प्रत्याक्ष परम ने पहला स्थान प्राप्त किया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में कोचों, अभिभावकों और अधिकारियों ने युवा खिलाड़ियों की अनुशासन, ऊर्जा और समर्पण की सराहना की। युवा सेवाएं एवं खेल विभाग ने आईडीपीएस स्कूल, सुजवां को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

# तीन साल से फरार गोवंश तस्कर को किया गिरफ्तार

**कठुआ, 07 अक्टूबर (हि.स.)।** भगोड़े अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने एक भगोड़े को गिरफ्तार किया, जो गोवंश तस्करी के मामले में वांछित था और जिसके खिलाफ स्पेशल मोबाइल मजिस्ट्रेट कठुआ की अदालत द्वारा 01 अप्रैल 2025 को धारा 299 सीआरपीसी के तहत वारंट जारी किया गया था। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में एसएचओ पीएस लखनपुर तारिक अहमद के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन लखनपुर की एक पुलिस टीम ने भगोड़े राजिंदर चौधरी पुत्र दर्शन लाल चैधरी निवासी मोटेय तहसील आर एस पुरा जिला जम्मू को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की जो एफआईआर 99/2022 यू/एस 188 आईपीसी 11 पीसीए के मामले में 2022 से अपनी गिरफ्तारी से बच रहा था। उक्त आरोपी अपराध करने के लंबे समय बाद से गिरफ्तारी से बच रहा था। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

# बर्फीले तूफ़ान में अपने पशुओं के साथ फँसे लोगों को सेना ने बचाया

**भद्रवाह, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ऊपरी इलाकों में बर्फीले तूफ़ान में अपने पशुओं के साथ फँसे बकरवाल समुदाय के 25 आदिवासियों को सेना ने बचा लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दर्जनों आदिवासी परिवार किश्तवाड़ के पद्दर, मारवाह, दचन और वारवान क्षेत्रों के ऊँचाई वाले घास के मैदानों से भद्रवाह होते हुए कठुआ, जम्मू और सांबा जिलों की ओर अपने पारंपरिक मौसमी प्रवास पर थे कि तभी वे बेमौसम बर्फबारी में फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि हालाँकि कई परिवार सुरक्षित स्थानों पर पहुँचने में कामयाब रहे लेकिन कुछ परिवार पद्री गली, सतलाड, बिड्डी गली और गंजा-गोठ इलाकों में बर्फीले तूफ़ान में फँस गए और बाद में भद्रवाह स्थित चार राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने उन्हें बचाया। उन्होंने बताया कि जब 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप चौकी पर तैनात सैनिकों को बर्फीले तूफान में फंसे आदिवासियों की दुर्दशा के बारे में पता चला तो वे उनकी सहायता के लिए दौड़े और उन्हें सुरक्षित उनके शिविर तक पहुंचाया जहां उन्हें प्राथमिक उपचार, मुफ्त राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं दी गईं।

# वाहन दुर्घटनाग्रस्त, दो महिलाओं समेत चार लोग घायल

**पुंछ, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मंडी इलाके में एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि पुंछ से मंडी आ रहा एक यात्री वाहन जिसका पंजीकरण संख्या जेके12सी-6786 था, मंडी के सेक्लू इलाके में नियंत्रण खो बैठा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में जिसमें चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा मंडी उप-ज़िला अस्पताल पहुँचाया गया है

# एनआईटी श्रीनगर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए पायथन पर पाँच दिवसीय कार्यशाला शुरू

**श्रीनगर, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए पायथन पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन एनआईटी श्रीनगर में प्रभारी निदेशक (डीन आर एंड सी) प्रो. रूही नाज़ मीर ने किया। इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों, एसोसिएट डीन आर एंड सी, संकाय सदस्यों और प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रोफेसर रूही नाज़ ने अपने संबोधन में कार्यशाला के आयोजन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को बधाई दी।

# प्रतियोगिता में बेहतर स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

**आरएस पुरा, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** यूसीएमएएस आरएस पुरा की तरफ से आज कस्बे में स्थित केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन कर राज्य स्तर पर हुई प्रतियोगिता में बेहतर स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। यूसीएमएएस आरएस पुरा के प्रधानाचार्य अतुल नागपाल की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मान समारोह के दौरान विद्यार्थियों के अभिभावक भी मौजूद रहे।

इस दौरान प्रधानाचार्य की तरफ से विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अतुल नागपाल ने बताया कि 28 सितंबर को जम्मू में एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें यूसीएमएएस आरएस पुरा के 25 के करीब विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था और इस प्रतियोगिता में 12 के करीब विद्यार्थियों ने पोजीशन

हासिल की जबकि अन्य विद्यार्थियों ने भी बेहतर स्थान हासिल कर उनके केंद्र तथा क्षेत्र का नाम रोशन किया जिसके चलते आज सम्मान समारोह का आयोजन कर इन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली आगामी प्रतियोगिता में भी उनके केंद्र के बच्चे हिस्सा लेंगे।

# डॉ. करण सिंह ने मोहसिन अली और कोच बिलकिस मीर को खेलो इंडिया गोल्ड मेडल के लिए किया सम्मानित

**श्रीनगर, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** पूर्व सदर-ए-रियासत और प्रख्यात राजनेता डॉ. करण सिंह ने एक दुर्लभ और विशेष सम्मान के तहत युवा एथलीट मोहसिन अली और उनकी प्रख्यात कोच एवं पेरिस ओलंपिक जूरी सदस्य बिलकिस मीर को इस अगस्त में श्रीनगर में आयोजित खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर सम्मानित किया।इस सम्मान समारोह में हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी और डॉ. करण सिंह के पोते मार्तंड सिंह भी शामिल हुए। डॉ. करण सिंह ने मोहसिन को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, खासकर मध्य प्रदेश और पंजाब के मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ के लिए बधाई दी। उन्होंने बिलकिस मीर की समर्पित कोचिंग और मोहसिन की प्रतिभा को निखारने के लिए उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की भी सराहना की। बिलकिस ने इस सम्मान के लिए डॉ. करण सिंह और मार्तंड सिंह का हार्दिक आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि यह सम्मान मोहसिन और अन्य

एथलीटों को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगा। दोनों एथलीटों ने प्रधानमंत्री की खेलो इंडिया योजना और अन्य संबंधित पहलों के तहत जम्मू और कश्मीर में खेलों के विकास पर भी अपने विचार साझा किए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने मन की बात कार्यक्रम में मोहसिन और कोच बिलकिस मीर को बधाई दी और उनकी सराहना की। इस कार्यक्रम में उन्होंने मोहसिन से बातचीत की और खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में उनकी उपलब्धि की सराहना की।

# एनआईटी श्रीनगर में पुरस्कार समारोह के साथ हुआ हिंदी पखवाड़ा समारोह का समापन

**श्रीनगर, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने मंगलवार को राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक भव्य समापन समारोह के साथ अपने 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा समारोह का समापन किया। इस कार्यक्रम में परिसर में राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कई प्रतियोगिताएँ, जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

समापन सत्र की अध्यक्षता प्रभारी निदेशक प्रो. रूही नाज़ और कुलसचिव प्रो. अतीकुर रहमान ने की जो मुख्य अतिथि भी थे। समारोह में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित थे। अपने संदेश में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक, प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने राजभाषा प्रकोष्ठ की समर्पण भावना और पखवाड़े भर चले इस कार्यक्रम के सफल आयोजन की सराहना की। प्रो. कनौजिया ने कहा कि राजभाषा प्रकोष्ठ के निरंतर प्रयास हिंदी को आधिकारिक संचार के एक प्रभावी माध्यम के रूप में बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इस तरह की पहल न केवल राष्ट्र की भाषाई पहचान को संरक्षित करती है, बल्कि शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रणालियों में समावेशिता और बेहतर समन्वय को भी बढ़ावा देती है।

# जम्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभाग ने अंतर-कॉलेजिएट हॉकी (पुरुष) टूर्नामेंट 2025-26 का खिताब जीता

**जम्मू, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** जम्मू विश्वविद्यालय के खेल एवं शारीरिक शिक्षा निदेशालय द्वारा के.के. हक्कू स्टेडियम जम्मू में आयोजित अंतर-कॉलेजिएट हॉकी (पुरुष) टूर्नामेंट 2025-26 का फाइनल मैच आज खेला गया। फाइनल मैच जम्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभाग और जीडीसी कठुआ की टीमों के बीच खेला गया जिसमें जम्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभाग ने जीडीसी कठुआ को 6-03 गोल से हराया। निर्धारित समय तक मैच 3-03 से बराबर रहा और पेनल्टी शूटआउट के माध्यम से निर्णय लिया गया। जम्मू विश्वविद्यालय की ओर से योगेश्वर रुद्र ने निर्धारित समय में मैच के 10वें, 35वें और 45वें मिनट में 3 फील्ड गोल किए। पेनल्टी शूटआउट में सुखचिंदर सिंह, योगेश्वर रुद्र और साहिल कुमार ने पीजी के लिए गोल किए। जम्मू विश्वविद्यालय की टीम।

# बसपा संस्थापक कांशीराम के महापरिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम का आयोजन होगा

**आरएस पुरा, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** बहुजन समाज पार्टी की तरफ से मंगलवार को आरएस पुरा में पत्रकार वार्ता का आयोजन कर जानकारी दी गई कि बामसेफ, डीएस-4 और बसपा के संस्थापक कांशीराम का महापरिनिर्वाण दिवस 9 अक्टूबर को आरएस पुरा में विशाल आत्मसम्मान स्वाभिमान सम्मेलन के रूप में मनाया जा रहा है। बसपा नेताओं ने बताया कि इस सिलसिले में आरएस पुरा गेगिया मोड में ग्रैंड आरके रिजॉर्ट में 9 अक्टूबर को विशाल सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय तथा प्रदेश स्तर के बड़े नेता हिस्सा लेकर पार्टी संस्थापक मान्यवर काशीराम को श्रद्धांजलि देंगे और उनके विचारों को आम लोगों तक पहुंचाने का काम करेंगे।


## उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :- 433-सिग-टी-39-25-26 दिनाँक 06.10.2025
बंद होने की तिथि/समय : 27.10.2025 को 15:00 बजे

वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोज़पुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं. 433-सिग-टी-39-25-26 ई. टैडरिंग के माध्यम से दिनांक 27.10.2025 को 15:00 बजे तक https://www.ireps.gov.in वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवांए। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैडर डाक्यूमैंट की कीमत और ब्याना राशि जोकि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नैट बैंकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नहीं होगी।

एन आई टी.

| | | | |
|---|---|---|---|
| कार्य का नाम | (i) फिरोजपुर डिवीजन के 01 स्टेशन पर तीन (03) वर्षों के लिए सीमेंस मेक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)। (ii) फिरोजपुर मंडल पर 89 टर्नआउट नवीनीकरण या थ्रू टर्नआउट के संबंध में सिग्नलिंग कार्य (टीटीआर(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)–17 सेट, टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)–1 सेट और टीटीआर७टीएसआर)–71 सेट कुल–89 नग (2) फिरोजपुर मंडल–टीएसआर(पी)–13.123 टीकेएम (3) फिरोजपुर मंडल पर विविध ट्रैक कार्य द्वारा विभिन्न यार्ड में सुधार के लिए अनुमान (4) अमृतसर–पठानकोट खंड में सीटीआर(पी) 11.000 टीकेएम। | | |
| टैंडर बन्द करने की तिथि तथा समय | (i) 27.10.2025 15:00 (ii) 29.10.2025 15:00 | टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय | 03.10.2025 18:16 |
| अनुमानित कीमत | (i) 2881294.86 (ii) 12266780.60 | बिडिंग आरम्भ की तिथि (आईआरईपीएस) | (i) 13.10.2025 (ii) 15.10.2025 |
| ब्याना राशि (रु.) | (i) 57600.00 (ii) 211300.00 | कार्य पूरा करने की अवधि | (i) 36 महीने (ii) 6 महीने |
| नोटः | निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि बारे में स्वयं को अपडेट रखें। | | |

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3082/25


# भाजपा की तरफ से महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई

**आरएस पुरा, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी की एससी मोर्चा की जिला बॉर्डर इकाई की तरफ से मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। मोर्चा के जिला अध्यक्ष नथाराम की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा के मंडल अध्यक्ष देवी दिता नीटा सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष तथा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नथाराम ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कहा कि हमें महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए। महर्षि वाल्मीकि ने अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना करते हुए महान कार्य किए।

# सीवरेज कार्यों का किया निरीक्षण, 34 करोड़ रुपये की लागत से पूरा होगा विकास कार्य

**जम्मू, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरविंद गुप्ता ने वार्ड नंबर 27 में चल रहे सीवरेज लाइन बिछाने के कार्यों का निरीक्षण किया। लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से हो रहे ये कार्य क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही स्वच्छता संबंधी समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान उनके साथ कुशांत दफारा, मंडल अध्यक्ष रेहरी बक्षी नगर, अतुल बक्षी, हैप्पी सोनू, बूथ अध्यक्ष, कार्यकर्ता और भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

विधायक गुप्ता ने कहा कि सीवरेज ढांचे को आधुनिक बनाना आवश्यक है ताकि लोगों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर जीवन गुणवत्ता मिल सके। उन्होंने बताया कि यह परियोजना वार्ड नंबर 27 के साथ-साथ वार्ड नंबर 13 के निवासियों को भी लाभ पहुंचाएगी। क्षेत्र के लोगों को वर्षों से जर्जर सीवरेज व्यवस्था के कारण जलभराव और अस्वच्छ परिस्थितियों का सामना करना पड़ता रहा है। विधायक ने आश्वासन दिया कि कार्यों को पारदर्शिता और गति के साथ पूरा किया जाएगा, जिससे लोगों को स्थायी राहत मिल सके।

प्रशासन की ओर से चल रही यह पहल शहर की शहरी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

परियोजना के अंतर्गत नई सीवरेज लाइनों की बिछाई, पुरानी पाइपलाइनों का उन्नयन और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करना शामिल है। स्थानीय निवासियों ने उम्मीद जताई कि इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में सुधार होगा और जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।

# जी.जी.एम. साइंस कॉलेज ने नॉर्मेंट कॉन्वोकर 2025 में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

**जम्मू, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** जी.जी.एम. साइंस कॉलेज, जम्मू ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए टूर्नामेंट कॉन्वोकर 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जो 2 से 6 अक्तूबर तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) जम्मू में आयोजित हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में क्षेत्र के कई नामी संस्थानों ने भाग लिया। कॉलेज की महिला शतरंज टीम ने उत्कृष्ट रणनीति और समन्वय का परिचय देते हुए रजत पदक हासिल किया। टीम में मेरिलीन कौर, मानवी शर्मा, साक्षी वर्मा और नीलाक्षी राणा शामिल थीं, जिन्होंने कठिन प्रतिस्पर्धा के बावजूद शानदार खेल दिखाया। एथलेटिक्स के क्षेत्र में भी कॉलेज के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। आदिल अली जाकिर ने भाला फेंक में रजत पदक, तरूवर शर्मा ने शॉट पुट में कांस्य पदक और सुरज कुमार ने 5 किलोमीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर कॉलेज का नाम रोशन किया।


## OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU
## NOTICE INVITING TENDER
## (Short Term)

**MHDJ/e-NIT 220 of 2025-26**

**Dated: 06.10.2025**
**Due : 16.10.2025**

On behalf of the President of India, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from OEM /OEM Authorized Registered & Reputed firms having sufficient relevant experience of similar nature work having mentioned below:

| S. No | Description of work | Project Authority | Estt | Earnest Money Deposit | Cost of tender document | Time of completion | Eligibility Criterion of Bidder |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) of VRF Outdoor System of Voltas Make 78 Hp for operation theatre 6 nos. along with Operation for One Year at Govt. Super Specialty Hospital, Jammu. | Principal GMC & Associated Hospital Jammu | 8.91 LACS | Rs.18,000.00 in the Shape of CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged to the Executive Engineer MH Division Jammu | Rs 500.00 in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to 0059-PWD (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. OR The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. 0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025 | 365 days | OEM/Authorized and Reputed firms having sufficient experience as per Annexure "C" Similar nature of work |

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

**DIP/J-6612/25**
**Dtd: 7-10-2025**

**Sd/-**
**(Er. Vishal Mahajan)**
**Executive Engineer**
**Mechanical & Hospital Division**
**Jammu**

# संपादकीय

## स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करना

इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में आग लगने की त्रासदी को टाला जा सकता था यदि समय रहते उचित सुरक्षा उपाय किए गए होते। उक्त स्वास्थ्य सेवा केंद्र के न्यूरो आईसीयू में हुई यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना, जिसमें गंभीर रूप से बीमार छह मरीजों की जान चली गई, सभी अस्पतालों और बीमार एवं अशक्त लोगों वाले अन्य केंद्रों में अग्नि सुरक्षा के मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की एक स्पष्ट चेतावनी है। जम्मू और कश्मीर, जो परंपरागत रूप से अपने नागरिकों को अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में पिछड़ा रहा है, ने निस्संदेह हाल के वर्षों में, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान, इस क्षेत्र में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन जहाँ तक केंद्र शासित प्रदेश के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा का प्रश्न है, इस पहलू पर ध्यान केंद्रित करने की सख्त आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जयपुर जैसी त्रासदी इस क्षेत्र में न हो। यह दुखद है कि जयपुर की घटना ने उन कमजोर लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है जो जीवनयापन के लिए पूरी तरह से अस्पताल प्रणालियों पर निर्भर थे। अब समय आ गया है कि इस संस्था से सबक लिया जाए और बड़ी संख्या में लोगों वाले सभी भवनों और कार्यालयों का व्यापक अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाए, क्योंकि आग लगने की घटनाएँ कभी भी, कहीं भी हो सकती हैं। चूँकि जयपुर अस्पताल में लगी आग भंडारण क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट के कारण फैली थी, इसलिए यह ज़रूरी है कि हितधारक उन भवनों में उचित वायरिंग और बिजली के उपकरणों का रखरखाव सुनिश्चित करें जहाँ बड़ी संख्या में लोग रहते हैं

इसके अलावा, संस्थागत जवाबदेही को मज़बूत करने और यह सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है कि प्रत्येक स्वास्थ्य सेवा सुविधा - चाहे वह सरकारी हो या निजी - राष्ट्रीय भवन संहिता और अग्नि सुरक्षा मानदंडों का कड़ाई से पालन करे। समय-समय पर निरीक्षण, कार्यशील अग्नि अलार्म, पर्याप्त आपातकालीन निकास और निकासी प्रक्रियाओं के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर्मचारी, कागजी औपचारिकताओं के बजाय अनिवार्य आवश्यकताएँ बननी चाहिए। नियमित मॉक ड्रिल, आधुनिक अग्निशमन प्रणालियों की स्थापना और स्थानीय अग्निशमन विभागों के साथ सहयोग, तैयारी को बढ़ाने में काफ़ी मददगार साबित हो सकते हैं। जन जागरूकता अभियान और पारदर्शी ऑडिट भी अस्पतालों में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे प्रशासक अधिक ज़िम्मेदार और मरीज़ अधिक सुरक्षित बनेंगे। जम्मू-कश्मीर पारंपरिक रूप से आग लगने की घटनाओं के प्रति संवेदनशील रहा है क्योंकि कई इमारतों में, विशेष रूप से पहाड़ी इलाकों में, लकड़ी का उपयोग किया जाता है, इसलिए बिना किसी अपवाद के सभी अग्नि सुरक्षा सावधानियों को अपनाना महत्वपूर्ण है।

यद्यपि जम्मू-कश्मीर सरकार ने उपरोक्त मामले में सावधानी बरती होगी, लेकिन सर्दियों के मौसम की शुरुआत को देखते हुए, जो जम्मू-कश्मीर में आग लगने की घटनाओं के लिए अधिक संवेदनशील है, अग्नि सुरक्षा तैयारियों की नए सिरे से निगरानी करना आवश्यक हो जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केंद्र शासित प्रदेश में इमारतें और स्वास्थ्य सुविधाएँ बीमार लोगों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक बनी रहें और जयपुर जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ कहीं और न दोहराई जाएँ।

# भारतीय वायुसेना : साहस, समर्पण और शक्ति का संगम

- योगेश कुमार गोयल

**भारतीय वायुसेना दिवस (8 अक्तूबर) पर विशेष**

**भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा।**

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है।

आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं।

वहीं, सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं।

भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं।

भारत के मुकाबले चीन के पास भले दोगुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था- 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स।' 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और साल 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# रूस-भारत संबंधों पर कांग्रेसी सियासत- झूठे आरोपों से राष्ट्रहित को नुकसान

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और रूस के बीच संबंधों की मजबूती और स्थायित्व किसी एक दौर या राजनीतिक शासन की देन नहीं है, यह दशकों की रणनीतिक समझ, परस्पर भरोसे और साझा हितों का परिणाम है। दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, तकनीक और वैश्विक राजनीति के क्षेत्रों में सहयोग का इतिहास गहरा है। यही कारण है कि जब कुछ दिन पहले यह खबर फैली कि रूस पाकिस्तान को जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-III लड़ाकू विमानों के लिए आरडी-93एमए इंजन सप्लाई कर रहा है, तो देश की विपक्षी कांग्रेस ने इसे लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोल दिया। जल्द ही रूस ने स्वयं इन खबरों का खंडन कर दिया और साफ कहा कि भारत को नुकसान पहुंचाने वाला कोई समझौता नहीं किया जा रहा है। इससे एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस बिना तथ्यों की जांच के, केवल राजनीतिक लाभ के लिए राष्ट्रहित से जुड़ी बातों पर भी भ्रम फैलाने से नहीं चूकती।

रूसी कूटनीति विशेषज्ञों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान को आरडी-93एमए इंजन सप्लाई करने की खबरें सही नहीं हैं। रूस और पाकिस्तान के संबंध इतने गहरे नहीं हैं कि भारत को असहजता महसूस हो। यह भी इशारा किया कि कुछ ताकतें भारत और रूस के सहयोग को नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर रही हैं, खासकर उन उच्च स्तरीय बैठकों से ठीक पहले, जिनमें दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण रक्षा और ऊर्जा समझौतों पर चर्चा होने वाली है। यह बयान उस समय आया है जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। इस दौरे से पहले फैलाई गई यह अफवाह दरअसल भारत की कूटनीति को कमजोर दिखाने का प्रयास था।

रूस का यह बयान इस बात का प्रमाण है कि भारत और रूस के बीच रणनीतिक भरोसा अब भी उतना ही मजबूत है जितना कि सोवियत काल में था। भारत ने हमेशा रूस के साथ अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के दृष्टिकोण से नहीं देखा है, और रूस ने भी यही नीति अपनाई है। यही वजह है कि रूस का यह खंडन उन राजनीतिक शक्तियों के लिए करारा जवाब है जो विदेश नीति जैसे गंभीर विषयों को भी सस्ती राजनीति का मैदान बना रही हैं।

रूस द्वारा इस कथित डील को खारिज करने से पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीति को असफल बताया था। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि आखिर भारत का सबसे भरोसेमंद मित्र अब पाकिस्तान के पक्ष में क्यों खड़ा हो रहा है? कांग्रेस पार्टी ने अपने बयान में कहा कि मोदी की विदेश नीति छवि निर्माण और वैश्विक दिखावे पर केंद्रित है, लेकिन सवाल यह है कि यदि यही कूटनीति इतनी कमजोर होती, तो क्या रूस जैसा रणनीतिक साझेदार भारत के साथ दशकों पुराने भरोसे को कायम रखता?

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह विदेश नीति को भी घरेलू राजनीति के चश्मे से देखती है। जिस समय देश को एकजुट रहकर अमेरिका के टैरिफ और पश्चिमी दबाव का सामना करना चाहिए, उस समय कांग्रेस झूठी खबरों को मुद्दा बनाकर देश की कूटनीति को कमजोर करने में लगी रहती है। इससे विदेशी मीडिया और प्रतिद्वंद्वी देश भी यही संदेश लेते हैं कि भारत का विपक्ष स्वयं अपनी सरकार की नीतियों पर भरोसा नहीं करता।दरअसल, कांग्रेस का यह रवैया कोई नई बात नहीं है। बीते कुछ वर्षों में पार्टी ने कई ऐसे अवसरों पर केंद्र सरकार की विदेश नीति को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की है। चाहे वह राफेल डील का मामला हो, बांग्लादेश की नीति पर टिप्पणी हो, या अब रूस के साथ संबंधों को लेकर उठाया गया ये विवाद, हर बार कांग्रेस ने बिना ठोस तथ्य के सवाल उठाए हैं।यह प्रश्न अब उठना स्वाभाविक है कि आखिर कांग्रेस बार-बार ऐसे झूठे नैरेटिव क्यों गढ़ती है, जिनसे देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुँच सकता है? क्या विपक्ष का दायित्व केवल सरकार को नीचा दिखाना है या फिर वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा में भी अपनी भूमिका निभाने को तैयार है?पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच व्यक्तिगत संबंधों की मजबूती आज किसी से छिपी नहीं है। हाल ही में रूस में आयोजित वाल्दाई सम्मेलन में पुतिन ने कहा था, मुझे प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत में हमेशा विश्वास और सहजता महसूस होती है। भारत कभी किसी के दबाव में झुकेगा नहीं। यह बयान किसी औपचारिक कूटनीतिक वक्तव्य से अधिक, उस निजी भरोसे का प्रतीक है जो दोनों देशों के नेतृत्व के बीच दशकों में विकसित हुआ है।रूस और भारत के बीच रक्षा सहयोग आज भी अभूतपूर्व स्तर पर है। ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना, सुखोई-30 विमानों का संयुक्त निर्माण, एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, और हाल ही में ऊर्जा क्षेत्र में संयुक्त निवेश, ये सभी भारत-रूस संबंधों की गहराई को दर्शाते हैं। ऐसे में कांग्रेस द्वारा अचानक रूस अब पाकिस्तान के पक्ष में है जैसा आरोप लगाना न केवल राजनीतिक रूप से अपरिपक्वता है, बल्कि यह भारत की रणनीतिक विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

इस पूरे विवाद के बीच एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। पहले से ही भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ का बोझ है, और अब यह और बढ़ा है। लेकिन भारत ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। पुतिन ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत को अमेरिका के पेनल्टी टैरिफ से जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई रूस से तेल आयात के जरिए हो जाएगी। यह वक्तव्य इस बात का संकेत है कि रूस भारत के आर्थिक हितों के साथ खड़ा है। जब पश्चिमी देश रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, तब भारत ने संतुलन बनाए रखा है, न तो रूस से दूरी बनाई, न ही पश्चिम से टकराव लिया। यह वही रणनीतिक स्वायतता है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जाता है।

# जहरीली दवा बनी अभिशाप

**प्रमोद भार्गव**

मध्यप्रदेश और राजस्थान में सर्दी-खांसी की दवा के सेवन से 16 बच्चों की मौत हो गई। इन बच्चों को कोल्ड्रिफ कफ सीरप स्वास्थ्य लाभ के लिए दिया गया था, किंतु वह मौत का कारण बन गया। इसकी गुणवत्ता संदेह के दायरे में है। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं दवा नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य ने कहा है कि संदिग्ध सिरप को परीक्षण के लिए 1 अक्टूबर को तमिलनाडु भेजा था।

इसकी रिपोर्ट तीसरे दिन मिल गई थी। किंतु मप्र में 29 सितंबर से जांच जारी है, जो अभी तक पूरी नहीं हुई। जबकि इसी बीच स्वास्थ्य विभाग का कार्य देख रहे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सार्वजनिक बयान दे दिया कि सीरप के नौ नमूनों में हानिकारक तत्व नहीं मिले हैं।

यह सीरप श्रीसन कंपनी बनाती है, जिसकी उत्पादन इकाई तमिलनाडु के कांचीपुरम में है। मप्र सरकार के कहने पर तमिलनाडु सरकार के औषधि प्रशासन विभाग ने कंपनी की उत्पादन इकाई से नमूने लेकर जांच की तो एसआर-13 बैच में हानिकारक रसायन डायथिलीन ग्लायकल (डीईजी) पाया गया। दवा में इसकी निर्धारित मात्रा 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि इसका प्रतिशत जांच में 48 प्रतिशत से अधिक पाया गया। इस रिपोर्ट के बाद प्रदेश सरकार सक्रिय हुई और इसके उपयोग एवं विक्रय पर रोक लगा दी। मृतक बाल-गोपालों का इलाज करने वाले छिंदवाड़ा के चिकित्सक डॉ प्रवीण सोनी के खिलाफ मामला दर्ज करके, फिलहाल जमानत पर रिहा कर दिया है।

इन मौतों और इस रिपोर्ट के बाद सतर्कता बरतते हुए कई राज्य सरकारों ने इस दवा को प्रतिबंधित कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी सलाह दी है कि दो वर्ष से छोटे बच्चों को कफ सीरप नहीं पिलाया जाए। इस पूरी प्रक्रिया से लगता है कि प्रदेश में ही नहीं देश में निगरानी तंत्र कमजोर है।

यूपीए सरकार ने जब नकली दवाओं से छुटकारे के नजरिए से औषधीय एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम बनाया था तब यह मान लिया गया था कि अब नकली दवाओं पर कमोबेश प्रतिबंध लग जाएगा। क्योंकि इस कानून के तहत न केवल इस धंधे को गैर जमानती बना दिया गया था, बल्कि दवा बनाने वालों से लेकर बेचने वालों तक को दस साल से लेकर आजीवन कारावास का प्रावधान रखा गया था। लेकिन देखने में आया है कि दवा दुकानों पर लगातार नकली दवाओं के भण्डार बरामद हो रहे हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। साफ है, नकली दवा कारोबार न केवल बेखौफ जारी है बल्कि इसमें बेइंतहा इजाफा भी हो रहा है। यही नहीं ये दवाएं सरकारी अस्पतालों के माध्यम से भी धड़ल्ले से उपयोग में लाई जा रही हैं। इससे जाहिर होता है कि सरकारी चिकित्सा-तंत्र का एक बड़ा हिस्सा इस कारोबार को ताकत दे रहा है।

इसके पहले 2019-20 में जम्मू के रामनगर में भी एक फार्मा कंपनी के बनाए सीरप से 12 बच्चों ने दम तोड़ दिया था। कंपनी पर एफआईआर हुई, लेकिन मामला अभी भी लंबित है। वर्ष 2022 में हरियाणा की दवा कंपनी के सीरप से गांबिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 65 बच्चों की मौतें हो गई थीं।

सितंबर 2008 में भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी रैनबैक्सी की तीस जेनेरिक दवाओं को अमेरिका ने प्रतिबंधित किया था। रैनबैक्सी की देवास (मध्य प्रदेश) और पांवटा साहिब (हिमाचल प्रदेश) में बनने वाली दवाओं के आयात पर अमेरिका ने रोक लगाई थी। अमेरिका की सरकारी संस्था फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) का दावा था कि रैनबैक्सी की भारतीय इकाइयों से जिन दवाओं का उत्पादन हो रहा है उनका मानक स्तर अमेरिका में बनने वाली दवाओं से घटिया है। ये दवाएं अमेरिकी दवा आचार संहिता की कसौटी पर भी खरी नहीं उतरी थीं। जबकि भारत की रैनबैक्सी ऐसी दवा कंपनी है जो अमेरिका को सबसे ज्यादा जेनेरिक दवाओं का निर्यात करती है। रैनबैक्सी एक साल में कई हजार करोड़ की दवाएं देश व दुनिया में बेचती है।

ऐसी ही बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां किसी आचार संहिता के पालन के पक्ष में नहीं हैं। किसी बाध्यकारी कानून को अमल में लाने में भी ये रोड़ा अटकाने का काम करती हैं क्योंकि ये अपना कारोबार विज्ञापनों व चिकित्सकों को मुनाफा देकर ही फैलाये हुए हैं। छोटी दवा कंपनियों के संघ का तो यहां तक कहना है कि चिकित्सकों को उपहार देने की कुप्रथा पर कानूनी तौर से रोक लग जाए तो दवाओं की कीमतें 50 फीसदी तक कम हो जाएंगी। चूंकि दवा का निर्माण एक विशेष तकनीक के तहत किया जाता है और रोग व दवा विशेषज्ञ चिकित्सक ही पर्चे पर एक निश्चित दवा लेने को कहते हैं। दरअसल, इस तथ्य की पृष्ठभूमि में यह मकसद अंतर्निहित है कि रोगी और उसके अभिभावक दवाओं में विलय रसायनों के असर व अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं इसलिए वे दवा अपनी मर्जी से नहीं ले सकते। इस कारण चिकित्सक की लिखी दवा लेना जरूरी होती है।

इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा करोबार अपने देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए मंहगी और गैर जरुरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने के नजरिये से कुछ समय पहले केन्द्र सरकार ने दवा कंपनियों से ही एक आचार संहिता लागू कर उसे कड़ाई से अमल में लाने की अपील की थी। लेकिन संहिता का जो स्वरूप सामने लाया गया, वह राहत देने वाला नहीं था। संहिता में चिकित्सकों को उपहार व रिश्वत देकर न तो अनैतिक कारगुजारियों को लेकर कोई साफगोई है और न ही संहिता की प्रस्तावित शर्तें व कानून बाध्यकारी हैं। इन प्रस्तावों को लेकर दवा संघों में भी मतभेद हैं।

विज्ञान की प्रगति और उपलब्धियों के सरोकार आदमी और समाज के हितों में निहित हैं। लेकिन हमारे देश में मुक्त बाजार की उदारवादी व्यवस्था के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आगमन से जिस तेजी से व्यक्तिगत व व्यवसायजन्य अर्थ-लिप्सा और लूटतंत्र का विस्तार हुआ है, उसके शिकार चिकित्सक तो हुए ही, निगरानी तंत्र भी इसकी चपेट में है। नतीजतन देखते-देखते भारत के दवा बाजार में बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों की 70 प्रतिशत से भी ज्यादा की भागीदारी हो गई। इनमें से 25 फीसदी दवा कंपनियां ऐसी हैं जिन पर व्यवसायजन्य अनैतिकता अपनाने के कारण अमेरिका भारी आर्थिक दण्ड दे चुका है।

ऐसे हालात में चिकित्सक अनैतिकता और दवा कंपनियां केवल लाभ का दृष्टिकोण अपनाएंगी तो आर्थिक रूप से कमजोर तबका तो स्वास्थ्य चिकित्सा से बाहर होगा ही, जो मरीज दवा ले रहे हैं उनके मर्ज की दवा सटीक दी जा रही हैं अथवा नहीं इसकी गारंटी भी नहीं रह जाएगी? इस कारण सरकार ने 2009 के आरंभ में दवा कंपनियों के संघ से स्वयं एक आचार संहिता बनाकर अपनाने को कहा था। साथ ही सरकार ने यह हिदायत भी दी थी कि यदि कंपनियां इस अवैध गोरखधंधे पर अंकुश नहीं लगातीं तो सरकार को इस बाबत कड़ा कानून लाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। लेकिन सरकारी चेतावनी की परवाह किए बिना दवा कंपनियों का संघ जो नई आचार संहिता सामने लाया, उसमें उपहार के रूप में लाभ देने का केवल तरीका बदला गया। मसलन तोहफों का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। संहिता में केवल दवा निर्माताओं से उम्मीद जताई गई है कि वे चिकित्सकों को टीवी, फ्रिज, एसी, लैपटॉप, सीडी, डीवीडी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व नकद राशि नहीं देंगे। लेकिन वैज्ञानिक सम्मेलन, कार्यशालाओं और परिचर्चाओं के बहाने उपहार देने का सिलसिला और चिकित्सकों की विदेश यात्राएं जारी रहेंगी।

जाहिर है आचार संहिता के बहाने चिकित्सक और उनके परिजनों को विदेश यात्रा की सुविधा को परंपरा बनाने का फरेब संहिता में जानबूझकर डाला गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा है कि भारत में बनने वाली दवाएं करीब 35 प्रतिशत नकली होती हैं। एसौचेम के मुताबिक देश में 25 प्रतिशत की दर से हर साल इस कारोबार में इजाफा हो रहा है। बहरहाल, भारत सरकार को दवाओं पर निगरानी के लिए मजबूत तंत्र खड़ा करने की जरूरत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## आईसीसी ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पाकिस्तानी बल्लेबाज सिदरा अमीन को फटकार लगाई

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आईसीसी ने पाकिस्तान की बल्लेबाज सिदरा अमीन को 5 अक्टूबर को भारत के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई है। इसके साथ ही उन्हें एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है। ऑन-फील्ड अंपायरों की ओर से लगाए गए आरोप के बाद तय की गई सजा को अमीन ने स्वीकार कर लिया। सिदरा अमीन ने पाकिस्तान के लिए 106 गेंदों में सर्वाधिक 81 रन की पारी खेली थी। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह अनुच्छेद 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिक्स्चर पर दुर्व्यवहार' से संबंधित है। अमीन ने आउट होने के बाद अपना बल्ला जोर से पिच पर मार दिया, जिसे अनुचित आचरण माना गया। लेवल 1 के उल्लंघन में खिलाड़ी पर अधिकतम मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और दो डिमेरिट प्वाइंट तक की सजा दी जा सकती है। भारत के दिए गए 248 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई और मुकाबला 88 रन से हार गई। टीम अब तक टूर्नामेंट में जीत दर्ज नहीं कर सकी है, क्योंकि इससे पहले वह बांग्लादेश से भी हार चुकी है। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा।

## वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में निधन

**वलसेन (त्रिनिदाद)।** वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में वलसेन (त्रिनिदाद) में निधन हो गया। उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से 24 टेस्ट और 12 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया था। जूलियन ने 1975 के पहले विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 4 विकेट पर 20 रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 27 रन और फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों में 26 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। वह बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी, बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और जीवंत फील्डिंग के लिए जाने जाते थे। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने उन्हें 1975 की विजेता टीम का अहम स्तंभ बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देते थे। मैंने कभी उन्हें जिम्मेदारी से पीछे हटते नहीं देखा। वह एक सच्चे टीम खिलाड़ी थे, जिन पर मैं हमेशा भरोसा कर सकता था – बल्ले और गेंद दोनों से। वे एक बेहतरीन क्रिकेटर थे।

## रजत पाटीदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी, सभी प्रारूपों में मध्य प्रदेश की करेंगे कप्तानी

**नई दिल्ली।** रजत पाटीदार को 2025-26 घरेलू सीजन की शुरुआत से पहले मध्य प्रदेश की सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई है, जो रणजी ट्रॉफी के साथ 15 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। पाटीदार ने शुभम शर्मा की जगह ली है और यह जिम्मेदारी उन्हें एमपी के क्रिकेट निदेशक चंद्रकांत पंडित से मिली है। समझा जा रहा है कि मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन पाटीदार की हालिया सफलताओं के बाद उनके लिए एक बड़ी भूमिका चाहता था। 32 वर्षीय पाटीदार को पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी के दौरान पहली बार कप्तान के रूप में आजमाया गया था जब उन्होंने पंडित से आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ इसी तरह की संभावना पर बात की थी। उन्हें कप्तानी दी गई और उन्होंने एमपी को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम मुंबई से हार गई थी। पाटीदार ने इसके बाद RCB को उनका पहला IPL खिताब दिलाया और हाल ही में उन्होंने सेंट्रल जोन की कप्तानी करते हुए दलीप ट्रॉफ़ी में 2014-15 के बाद पहली बार टीम को चैंपियन बनाया। पिछले हफ़्ते पाटीदार ने ईरानी कप में एक मजबूत रेस्ट ऑफ इंडिया टीम की कप्तानी की जिसमें ईशान किशन, रुतुराज गायकवाड़ और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ी थे जो अपने राज्यों की कप्तानी करते हैं।

## अमेरिका ने भारत को 5-0 से हराया, हिकारू नाकामुरा ने विश्व चैंपियन डी गुकेश को मात दी

अरलिंग्टन, टेक्सास (निकलेश जैन)। अमेरिका और भारत के बीच खेले गए पहले चेकमेट मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने भारत को 5-0 के अंतर से मात दी। इस शानदार जीत के साथ अमेरिका ने इस नई प्रदर्शनी श्रृंखला की जोरदार शुरुआत की। इस मैच में भारत की टीम काले मोहरों से खेल रही थी, जबकि आने वाले महीनों में जब यही श्रृंखला भारत में आयोजित होगी, तब भारतीय खिलाड़ी सफ़ेद मोहरों से खेलेंगे। मुख्य मुकाबले में ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराया। मुकाबला काफ़ी तनावपूर्ण रहा, और कई मौकों पर दोनों खिलाड़ियों के पास बढ़त हासिल करने के अवसर आए। लेकिन निर्णायक क्षणों में नाकामुरा ने बेहतर खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की अन्य मुकाबलों में ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को फाबियानो कारुआना ने हराया, जबकि ग्रांडमास्टर दिव्या देशमुख को अंतरराष्ट्रीय मास्टर कारिसा यिप ने पराजित कर बड़ा उलटफेर किया। अंतरराष्ट्रीय मास्टर लेवी रोज़मैन (गॉथमचेस) ने सागर शाह को मात दी, वहीं ईथन वैज को अंतरराष्ट्रीय मास्टर टेनी अडेवुमी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

# बीसी प्लेस में इतिहास रचने को तैयार 'कनाडा सुपर 60'

एजेंसी

**वैंकूवर (कनाडा)।** कनाडा के वैंकूवर स्थित प्रतिष्ठित बीसी प्लेस स्टेडियम में कल यानी 8 अक्टूबर 2025 से शुरू हो रहा है 'कनाडा सुपर 60', जो एक ऐतिहासिक टी10 क्रिकेट लीग है। इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात यह है कि पहली बार पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं की शुरुआत एक साथ होने जा रही है। यह आयोजन न केवल कनाडा की विश्व क्रिकेट में बढ़ती ताकत को दर्शाता है, बल्कि समावेश, विविधता और खेल उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

सप्ताहभर चलने वाले इस मेगा इवेंट में दुनिया के कई बड़े क्रिकेट सितारे हिस्सा ले रहे हैं – जिनमें सुरेश रैना, शिखर धवन, शोएब मलिक, शाकिब अल हसन और जेसन रॉय जैसे नाम शामिल हैं। इनके साथ कनाडा के शीर्ष क्रिकेटर भी मैदान पर उतरेंगे। महिला वर्ग में भी देश-विदेश की कई स्टार क्रिकेटर हिस्सा लेंगी, जिनमें अफगान शरणार्थी खिलाड़ी भी शामिल हैं – जो साहस, उम्मीद और

अवसर की प्रतीक हैं। क्रिकेट के अलावा यह आयोजन मनोरंजन, संगीत और संस्कृति का संगम बनने जा रहा है। दर्शकों के लिए लाइव कॉन्सर्ट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और फूड फेस्टिवल जैसी आकर्षक गतिविधियाँ होंगी – जिससे यह आयोजन एक खेल महोत्सव का रूप ले लेगा।

कनाडा सुपर 60 के ग्लोबल एम्बेसडर युवराज सिंह, ने एक बयान में कहा,÷कनाडा सुपर 60 का साकार होना वाकई अद्भुत एहसास है। बीसी प्लेस जैसे प्रतिष्ठित मैदान पर क्रिकेट खेला जाना अपने आप में ऐतिहासिक है। सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि यह टूर्नामेंट पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों को समान मंच पर ला रहा है। मैं चाहता हूँ कि परिवार, बच्चे और सभी प्रशंसक एक साथ आएं और क्रिकेट, संगीत व उत्सव का आनंद लें। यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एकता और खेल भावना का उत्सव है। क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अमजद बाजवा ने कहा, कनाडा सुपर 60 हमारे देश के क्रिकेट इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बीसी प्लेस में पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिता के साथ एक वैश्विक लीग की मेजबानी करना, कनाडाई क्रिकेट को विश्व पटल पर स्थापित करता है। यह मंच न केवल खेल के स्तर को ऊँचा उठाएगा बल्कि महिला क्रिकेट को भी नया प्रोत्साहन देगा। हमें गर्व है कि हम इस दूरदर्शी पहल का हिस्सा हैं।

## पीकेएल-12: दबंग दिल्ली की लगातार चौथी जीत, जयपुर पिंक पैंथर्स को 29-26 से हराया

एजेंसी

**चेन्नई।** प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 67वें मुकाबले में दबंग दिल्ली केसी ने जयपुर पिंक पैंथर्स को रोमांचक मैच में 29-26 से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। यह इस सीजन में दिल्ली की 10वीं जीत रही, जिससे उसने अंक तालिका में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। जयपुर के लिए यह 12 मैचों में छठी हार रही। दिल्ली की जीत में डिफेंस का अहम योगदान रहा – संदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 अंक लिए, जबकि आशू ने 8 अंक और नीरज ने 4 अंक जुटाए। कप्तान फजल अत्राचली ने भी डिफेंस में तीन महत्वपूर्ण शिकार किए। जयपुर की ओर से रेजामीर बघेरी और दीपांशु ने हाई-5 हासिल किए, लेकिन टीम के रेडर्स उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए, जो हार का मुख्य कारण रहा। मैच की शुरुआत में दिल्ली के आशू ने एक सुपर रेड से टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन जल्द ही जयपुर के दीपांशु ने उन्हें लपक लिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और हाफटाइम तक जयपुर 13-12 से आगे रही। दूसरे हाफ में दिल्ली ने जबरदस्त वापसी की। नीरज और आशू की जोड़ी ने लगातार अंक जुटाए और जयपुर को ऑल आउट कर दिल्ली को 18-16 की बढ़त दिलाई। दिल्ली की डिफेंस लाइन ने बाद के मिनटों में दबाव बनाए रखा और जयपुर की कोशिशों को नाकाम कर दिया। अंतिम मिनटों में मैच बेहद रोमांचक हो गया। जयपुर ने अंतर घटाकर 26-27 तक लाया, लेकिन अंतिम रेड में नीरज ने समाधी को लपककर दिल्ली को जीत दिला दी। इस जीत के साथ दिल्ली की टीम का आत्मविश्वास चरम पर है और वह अब लीग के प्लेऑफ की दौड़ में मजबूत दावेदार बन गई है।

## बीसीसीआई वनडे ट्रॉफी के लिए हिमाचल की पुरुष अंडर-19 टीम घोषित, त्रिपुरा के साथ होगा पहला मुकाबला

एजेंसी

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई वीनू मांकड़ वन डे एलीट टूर्नामेंट के लिए पुरुष अंडर-19 टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान आदित्य कटारिया को सौंपी गई है। प्रतियोगिता में हिमाचल अपना पहला मुकाबला त्रिपुरा के साथ खेलेगा। प्रतियोगिता के सभी मैच देहरादून में खेले जाएंगे। उधर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने पुरुष अंडर-19 टीम का चयन कर लिया है। बिलासपुर के आदित्य कटारिया को कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा टीम में ऋषव ठाकुर बिलासपुर, अक्षय वशिष्ठ हमीरपुर, अग्रिम चंबियाल कांगड़ा, सोहम मिश्रा कांगड़ा, सिद्धक ढिल्लों कांगड़ा, अंश धीमान कांगड़ा, अनीश किन्नौर, सचिन मेहता कुल्लू, लक्ष्य ठाकुर मंडी, सुजल ब्रोटा शिमला, जपनीत सिंह सिरमौर, जयादित्य डोगरा सोलन, नौनिहाल सोलन तथा कबीर सिंह सोलन और ऊना से अर्पित सिंह को जगह दी गई है। वहीं

टीम के साथ अंकित अग्रवाल कोच, रोहित कालिया सहायक कोच, मयंक बालासुंदरम फिजियो, अंकुश आदित्य प्रशिक्षक, संदीप कुमार वीडियो विश्लेषक, संदीप कुमार साइड आर्म, विवेक धीमान को प्रबंधक बनाया गया है। उधर बात हिमाचल के मैचों की करें तो हिमाचल प्रदेश और त्रिपुरा 9 अक्टूबर को पहले मैच में आमने सामने होंगे। इसी तरह 11 अक्टूबर को दूसरा मैच छत्तीसगढ़, तीसरा मैच 13 अक्टूबर को चंडीगढ़ के साथ, 15 अक्टूबर को कर्नाटक के साथ तथा 17 अक्टूबर को हैदराबाद के साथ हिमाचल की भिडंत होगी।

## भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए मिशेल स्टार्क की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

एजेंसी

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम में वापसी कर रहे हैं। यह सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी। स्टार्क के साथ मैथ्यू शॉर्ट और मिशेल ओवेन भी चोट से उबरने के बाद 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए हैं। वहीं मैथ्यू रेनशॉ को भी टीम में जगह मिली है। टीम की कमान मिशेल मार्श के हाथों में ही रहेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आगामी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी के तहत 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए भी टीम की घोषणा की है। यह स्टार्क का मौजूदा सीजन का पहला असाइनमेंट होगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे से आराम लिया था ताकि इस गर्मी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए अपनी फिटनेस और वर्कलोड को संभाल सकें। गौरतलब है कि स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। वनडे टीम से कुछ खिलाड़ियों को

बाहर किया गया है, जिनमें मार्नस लाबुशेन, सीन एबॉट, एरन हार्डी और मैथ्यू कुहनेमैन शामिल हैं, जो अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पिछले वनडे दौर में टीम का हिस्सा थे।

**ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम:**

मिशेल मार्श (कप्तान), ज़ेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कॉनॉली, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मिशेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम (पहले दो मुकाबले): मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, ज़ेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुनेमैन, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

## दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना माफाका को लगी चोट, स्कैन के लिए भेजा गया

एजेंसी

**जोहान्सबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना माफाका को हाल ही में लगी चोट के बाद स्कैन के लिए भेजा गया है। माफाका को नामीबिया के खिलाफ 11 अक्टूबर को होने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले और पाकिस्तान दौरे के लिए चुनी गई दक्षिण अफ्रीका की व्हाइट-बॉल टीमों में शामिल किया गया था।

19 वर्षीय माफाका पिछले हफ्ते वेस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ न्यूलैंड्स मैदान पर अपने प्रांतीय संघ %लायंस% के लिए चार दिवसीय मैच खेल रहे थे। उन्होंने पहली पारी में 5.5 ओवर फेंकने के बाद हैमस्ट्रिंग में असहजता महसूस की और मैदान छोड़ना पड़ा। शुरुआती स्कैन में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई, जिसके बाद वे दूसरी पारी में लौटे और 10 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लेकर टीम की पारी और 134 रनों से जीत में अहम भूमिका निभाई। अब उनकी फिटनेस की पूरी पुष्टि के लिए एहतियातन एमआरआई स्कैन कराया

जाएगा। माफाका आने वाले ढाई महीनों में पाकिस्तान और भारत दौरे सहित दक्षिण अफ्रीका के कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का हिस्सा बनने की उम्मीद है। हालांकि, टीम प्रबंधन यह भी चाहता है कि उन्हें घरेलू क्रिकेट, खासकर चार दिवसीय प्रारूप में अधिक खेलने का मौका दिया जाए। अब तक उन्होंने सिर्फ छह प्रथम श्रेणी मैच, जिनमें दो टेस्ट शामिल हैं, खेले हैं। इसके अलावा वे तीन वनडे और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। माफाका एसए20 लीग के चौथे सीजन में डरबन सुपर जायंट्स से भी जुड़े हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका 11 अक्टूबर को नामीबिया के खिलाफ विंडहोक के नए स्टेडियम के उद्घाटन के अवसर पर एकमात्र टी20 मैच खेलेगा। यह मुकाबला उस टेस्ट सीरीज़ से एक दिन पहले होगा जब दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम पाकिस्तान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के खिताब बचाव अभियान की शुरुआत करेगी। इसी कारण कप्तान एडेन मार्करम सहित कई प्रमुख खिलाड़ी नामीबिया के खिलाफ मैच में शामिल नहीं होंगे। टीम की कप्तानी डोनोवन फेरेरा करेंगे, जबकि इस मुकाबले में क्विंटन डी कॉक भी अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। उन्होंने हाल ही में वनडे से संन्यास वापस लेकर दोबारा चयन के लिए उपलब्धता जताई है।

## किलियन एमबापे के टखने की चोट की जांच होगी : कोच डिडिएर डेशॉम्प्स

एजेंसी

**पेरिस।** फ्रांस फुटबॉल टीम के कोच डिडिएर डेशॉम्प्स ने बताया कि कप्तान किलियन एमबापे अपने दाएं टखने की जांच कराएंगे, जब वे आगामी 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम कैंप में शामिल होंगे। एमबापे को यह चोट शनिवार को रियल मैड्रिड की विल्लारियल के खिलाफ 3-1 की जीत के दौरान लगी थी। इस वजह से उनके फ्रांस टीम के लिए आगामी क्वालिफायर मैचों–अज़रबैजान और आइसलैंड–में खेलने पर संदेह जताया जा रहा है। डेशॉम्प्स ने कहा, 'मैंने किलियन से बात की है। उसे हल्की सी परेशानी है, लेकिन यह गंभीर नहीं है, वरना वह यहां नहीं होता। हम मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर स्थिति का मूल्यांकन करेंगे और देखेंगे कि यह कैसी रहती है। फिलहाल मेरे पास इससे अधिक जानकारी नहीं है क्योंकि खिलाड़ी शाम करीब 4 बजे (1400 GMT) पहुंचेंगे, जिसके बाद हम सामान्य प्रक्रिया के तहत स्थिति का आकलन करेंगे। डेशॉम्प्स ने यह भी बताया कि लिवरपूल के डिफेंडर इब्राहिमा कोनाटे की भी जांच की जाएगी, जिन्हें शनिवार को चेल्सी के खिलाफ 2-1 की हार में चोट लगी थी। फिलहाल ले ब्लू

अपनी क्वालिफाइंग ग्रुप तालिका में शीर्ष पर हैं, उन्होंने अब तक खेले दोनों मैचों में जीत दर्ज की है। फ्रांस का अगला मुकाबला शुक्रवार को पेरिस सेंट-जर्मेन के पार्स डेस प्रिंसेस स्टेडियम में अज़रबैजान से होगा, जिसके बाद टीम तीन दिन बाद आइसलैंड के खिलाफ खेलेगी।

## पीवीएल 2025:मुंबई मेटियर्स ने कालीकट हीरोज को 3-0 से हराया, अमित गुलिया बने 'प्लेयर ऑफ द मैच'

**हैदराबाद।** स्कैपिया द्वारा संचालित आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (PVL) 2025 में खेले गए रोमांचक मुकाबले में मुंबई मेटियर्स ने कालीकट हीरोज को सीधे सेटों में 3-0 (15-9, 15-8, 15-12) से हराकर प्रतियोगिता में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इस जीत के साथ मुंबई ने लीग तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

मुंबई के कप्तान अमित गुलिया को उनके बेहतरीन नेतृत्व और प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच की शुरुआत में कालीकट हीरोज ने मिडफील्ड पास के ज़रिए लय पकड़ने की कोशिश की, जिससे कप्तान मोहन उक्करपांडियन को अटैक के अवसर मिले। लेकिन मुंबई के स्टार ब्लॉकर अभिनव सालार की दमदार

मौजूदगी ने कालीकट के कई प्रयास विफल कर दिए। शुभम चौधरी और विदेशी खिलाड़ी मैथियास लोफ्टेसनेस ने अपनी सटीक स्पाइक्स से कालीकट के डिफेंस को लगातार दबाव में रखा। वहीं, डेट बोस्को ने हीरोज़ के लिए सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन टीम की लगातार हुई गलतियों (अनफोर्स्ड एरर्स) ने वापसी की उम्मीदों को तोड़ दिया।

कालीकट की ओर से संतोष और विकास मान ने कुछ समय के लिए लय वापस लाने की कोशिश की, पर मुंबई की संयमित रणनीति और मजबूत ब्लॉकिंग ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया।

कप्तान अमित गुलिया ने मुश्किल मौकों पर टीम को एकजुट रखा और निर्णायक क्षणों में बेहतरीन खेल दिखाया। इस जीत से मुंबई मेटियर्स को तीन महत्वपूर्ण अंक मिले और टीम अब लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। कालीकट हीरोज को अब अगले मैचों में वापसी के लिए अपनी रणनीति में सुधार करना होगा।

## मुनिबा अली का रन आउट निर्णय पूरी तरह सही था: एमसीसी

एजेंसी

**लंदन।** मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने पुष्टि की कि भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए महिला विश्व कप 2025 मैच में पाकिस्तान की बल्लेबाज़ मुनिबा अली को रन आउट दिए जाने का अंपायर का निर्णय पूरी तरह से नियमों के अनुरूप था। यह घटना पाकिस्तान की पारी के चौथे ओवर में घटी, जब भारत की दीप्ति शर्मा ने एक असफल एलबीडब्ल्यू अपील के तुरंत बाद गेंद को स्टंप्स पर मार दिया। उस समय मुनिबा क्रीज़ से बाहर खड़ी थीं और उन्हें रन आउट घोषित कर दिया गया।

विवाद इस बात को लेकर था कि क्या एलबीडब्ल्यू अपील के बाद गेंद 'डेड' हो चुकी थी, और क्या बल्लेबाज़ को रन आउट किया जा सकता है यदि वह रन लेने का प्रयास नहीं कर रही थी। एमसीसी ने अपने बयान में कहा, 'यहां कई नियमों पर विचार करना आवश्यक है। सबसे पहले और सरल बात यह है कि सिर्फ अपील होने से गेंद डेड नहीं हो जाती। अपील 'नॉट आउट' दी गई थी, गेंद विकेटकीपर के पास स्थिर नहीं थी, और दीप्ति शर्मा की कार्रवाई से स्पष्ट

था कि सभी खिलाड़ियों ने गेंद को डेड नहीं माना था। इसलिए, गेंद खेल में थी।' क्लब ने आगे स्पष्ट किया कि कानून 30.1.2 (लॉ 30.1.2) इस स्थिति में लागू नहीं होता, क्योंकि मुनिबा दौड़ते या कूदते हुए क्रीज़ की ओर नहीं बढ़ रही थीं बल्कि उन्होंने क्रीज़ के बाहर से ही गार्ड लिया हुआ था और अपने पैर कभी वापस क्रीज़ में नहीं रखे। एमसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह रन आउट का मामला है, स्टंपिंग का नहीं, क्योंकि स्टंप्स विकेटकीपर द्वारा नहीं, बल्कि एक फील्डर (दीप्ति शर्मा) द्वारा फेंकी गई गेंद से टूटे थे। इस तरह, एमसीसी ने साफ कर दिया है कि मुनिबा अली का आउट होना पूरी तरह नियमों के दायरे में और वैध निर्णय था।

## एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025:वाटर पोलो में कजाकिस्तान ने भारत को 20-6 से हराया

एजेंसी

**अहमदाबाद।** 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के तीसरे दिन वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए पुरुष वाटर पोलो मुकाबले में भारत को कजाकिस्तान के हाथों 6-20 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए भागेश जगदीश कुठे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल किए, जबकि उदय उत्तेकर और प्रवीण गोपीनाथन ने एक-एक गोल जोड़ा।कजाकिस्तान की टीम ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। बाल्टाबकुली आदिल और नेदोकोंत्सेव ने 4-4 गोल दागे, जबकि तोसोय एडुआर्ड ने तीन गोल किए। इसके अलावा लामायेव मैक्सिम, शाकेनोव मूरत और अकिम्बे अल्दियार ने दो-दो गोल किए।

इससे पहले, आर्टिस्टिक स्विमिंग में कजाकिस्तान की करीना मारुपोवा और विक्टर इ्रुजिन ने क्रमशः महिला और पुरुष सोलो फ़्री इवेंट में स्वर्ण पदक जीता।महिलाओं के ग्रुप-ए मुकाबले में जापान ने सिंगापुर को 26-13 से हराया। जापान के लिए कोबायाशी माहो ने 6 गोल दागे और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं, ग्रुप-बी में कजाकिस्तान ने हांगकांग को 21-10 से मात दी। पुरुषों के ग्रुप-ए में चीन ने हांगकांग को 21-2 से हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की, जबकि ईरान ने उज़्बेकिस्तान को 28-7 से शिकस्त दी।

# फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का मुख्यमंत्री उमर ने किया उद्घाटन

एजेंसी

**श्रीनगर।** मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल ग्राउंड में फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर के इस खेल आयोजन की औपचारिक शुरुआत हुई। इस वर्ष के राष्ट्रीय स्कूल खेलों में देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 30 टीमें भाग ले रही हैं और छह अलग-अलग स्थानों पर मैच खेले जायेंगे। इन प्रतियोगिताओं में फुटबॉल, वुशु, ताइक्वांडो और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल देश के विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं के बीच एकता, मित्रता और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल एकता और मित्रता के सेतु का निर्माण करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सरकार और आयोजकों की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर आपमें से किसी को भी किसी भी तरह की असुविधा हो, चाहे गर्म कपडों की कमी हो या कोई अन्य आवश्यकता तो कृपया हमसे संपर्क करने में संकोच न करें। हम आपके प्रवास और भागीदारी को आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मौसम की स्थिति में सुधार की आशा व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने युवा

एथलीटों को प्रतियोगिता और सौहार्द के अनुभव का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को यादगार पलों और टूर्नामेंट में सफलता की कामना करते हुए कहा कि जैसा कि कहा जाता है कि जीतना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि भाग लेना। 30 प्रतिभागी टीमों के मार्च पास्ट की मुख्यमंत्री ने सराहना की और कार्यक्रम स्थल पर मौजूद स्कूली बच्चों और दर्शकों की एक बड़ी भीड़ ने तालियां बजाईं। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम अधिकारियों ने भी खेल भावना की शपथ ली और निष्पक्ष खेल, अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।उद्घाटन समारोह में युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, लाल चौक के विधायक शेख अहसान अहमद (परदेसी), युवा सेवा एवं खेल महानिदेशक अनुराधा गुप्ता, जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुडहत गुल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे।

## स्टॉक मार्केट में सुबा होटल्स की जबरदस्त शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** मिड-मार्केट सेक्टर में होटल चेन चलाने वाली कंपनी सुबा होटल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 111 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 38.92 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 154.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी ही देर में 161.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 45.86 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। सुबा होटल्स का 75.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 15.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 20.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 67,99,200 नए शेयर जारी किए गए हैं।

## ग्लोटिस ने अपने आईपीओ निवेशकों को दिया करारा झटका, 34 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ हुई लिस्टिंग

**नई दिल्ली।** सड़क, हवा और समुद्री रास्ते से ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज मुहैया कराने वाली लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस कंपनी ग्लोटिस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 129 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 34 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 88 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 84 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में थोड़ी तेजी भी आई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 89.35 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह लिवाली होने के बावजूद अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 30.74 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है।ग्लोटिस का 307 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.84 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

## महिंद्रा ने नई बोलेरो रेंज पेश की, आधुनिक डिजाइन और बेहतर सुविधाओं से हुई और दमदार

**जयपुर।** भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने बोलेरो की नई रेंज लॉन्च की। नई बोलेरो की कीमत 7.99 लाख (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है, जबकि शीर्ष वेरिएंट बी8 की कीमत ?9.69 लाख तक है। इसी तरह, बोलेरो नियो की शुरुआती कीमत 8.49 लाख और टॉप वेरिएंट एन11 की कीमत 9.99 लाख (एक्स-शोरूम) रखी गई है। महिंद्रा की बोलेरो पिछले 25 वर्षों से भारतीय सड़कों पर मजबूती और भरोसे का प्रतीक बनी हुई है। 16 लाख से अधिक ग्राहकों के विश्वास के साथ यह एसयूवी शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में अपनी मजबूती और प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि बोलेरो समय की कसौटी पर खरी उतरी है और नई रेंज को तेजी से विकसित हो रहे भारत की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मज़बूती, आधुनिक स्टाइल और आराम के साथ यह एसयूवी हर इलाके में उपयुक्त प्रदर्शन देती है। नई बोलेरो अपने पारंपरिक मजबूत रूप में ही नहीं, बल्कि आधुनिक डिज़ाइन और फीचर्स के साथ भी आकर्षक है। इसमें नया बोल्ड ग्रिल, फॉग लैंप और डायमंड-कट अलॉय व्हील्स दिए गए हैं।

## भारत और कतर ने व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों पर की चर्चा

**दोहा।** भारत और कतर ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी के साथ विचार-विमर्श किया। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, हमने भारत-कतर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की और व्यापार, निवेश तथा रणनीतिक सहयोग में बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। गोयल दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्री ने आगे लिखा है इससे पहले कतर सेंट्रल बैंक के गवर्नर और कतर निवेश प्राधिकरण एवं कतर वित्तीय केंद्र नियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष शेख बंदर बिन मोहम्मद बिन सऊद अल-थानी से मिलकर प्रसन्नता हुई।

# जापान की टीडीके कारपोरेशन हरियाणा में बढ़ाएगी निवेश

### सहयोगी कंपनी एटीएल हरियाणा में स्थापित कर रही लिथियम बैटरी उद्योग

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने पहले ही दिन जापान की बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से बैठकें कर हरियाणा में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में जापान की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी टीडीके कॉर्पोरेशन के साथ अहम बैठक कर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, सेंसर और चुंबकीय सामग्री के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया।

उल्लेखनीय है कि टीडीके

कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी एटीएल बैटरी द्वारा ईएमसी सोहना, हरियाणा में भारत का सबसे बड़ा लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना हरियाणा को ऊर्जा भंडारण तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनाएगी और राज्य में रोजगार, नवाचार तथा तकनीकी विकास को गति प्रदान करेगी। बैठक में टीडीके कंपनी के अन्य पार्टनर्स को हरियाणा में एक व्यापक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए निवेश करने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। मुख्यमंत्री ने टीडीके कॉर्पोरेशन को हरियाणा सरकार की उद्योग-हितैषी नीतियों, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और निवेशकों को प्रदान किए जा रहे सहयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के साथ लगते गुरुग्राम शहर में 250 से ज्यादा फॉर्च्यून 500 कंपनियों के कार्यालय स्थित हैं। इतना ही नहीं, लागत को कम करने, बिक्री बढ़ाने और सप्लाई चैन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, एन.सी.आर. क्षेत्र में हरियाणा सबसे उपयुक्त डेस्टीनेशन है। क्योंकि, दिल्ली के तीन ओर हरियाणा प्रदेश की सीमा लगती है।

## फैबटेक टेक्नोलॉजीज ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के शेयरों में गिरावट का रुख

एजेंसी

**नई दिल्ली।** फार्मास्यूटिकल, बायोटेक और हेल्थकेयर इंडस्ट्री को टर्नकी इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। निवेशकों की निराशा तब और बढ़ गई, जब लिस्टिंग के बाद बिकवाली के कारण कंपनी के शेयरों की गिरावट और बढ़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 191 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 191 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर 1 रुपये के मामूली प्रीमियम के साथ 192 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 181.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.50 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। फैबटेक टेक्नोलॉजीज का 230.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.97 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.09 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 2.01 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,20,60,000 नए शेयर जारी किए गए हैं।

## एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करेगी, जिसका किराया 22,999 रुपये से शुरू होगा। यह मैनचेस्टर के बाद यूनाइटेड किंगडम में उसका दूसरा गंतव्य होगा। एयरलाइन ने जारी एक बयान में बताया कि नई सेवा नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान के जरिए संचालित की जाएगी। विमान में दो-श्रेणी की व्यवस्था होगी, जिसमें इकोनॉमी और इंडिगोस्ट्रेच केबिन शामिल हैं। यात्रियों को मुफ्त गर्म भोजन और पेय पदार्थ मिलेंगे। इकोनॉमी श्रेणी में मादक पेय खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे और इंडिगोस्ट्रेच ग्राहकों के लिए मुफ्त होंगे। साथ ही प्रत्येक सीट पर एक सीटबैक मनोरंजन स्क्रीन होगी, जो लगभग 300 घंटे की सामग्री प्रदान करेगी। इंडिगो की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत यात्रा भागीदारों के माध्यम से बुकिंग उपलब्ध है। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर

एल्बर्स ने कहा कि अपने आकार और कनेक्टिविटी के लिए प्रसिद्ध प्रमुख वैश्विक केंद्र हीथ्रो में प्रवेश करना एक गौरवपूर्ण उपलब्धि और इंडिगो की वैश्विक उपस्थिति को मज़बूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। उन्होंने कहा कि भारत-यूनाइटेड किंगडम कॉरिडोर लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है, न केवल मज़बूत द्विपक्षीय संबंधों के कारण, बल्कि छात्रों, दोस्तों और रिश्तेदारों, व्यापारिक और अवकाश यात्रियों द्वारा संचालित दोनों देशों के बीच बढ़ते यातायात के कारण भी। मैनचेस्टर के लिए हमारी पहली लंबी दूरी की उड़ान को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद हम लंदन में कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं, जहां हम अपने ग्राहकों के लिए और अधिक त्रा विकल्प प्रदान करते हुए भारत और दुनिया के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेंगे।

## घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का सिलसिला बरकरार, नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई है। आज के कारोबार में सोना 1,270 रुपये से लेकर 1,390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी के दाम भी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए हैं।

कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये से लेकर 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,10,710 रुपये से लेकर 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,56,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,20,930 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट

सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,20,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,20,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## कमजोर लिस्टिंग से ओम मेटलॉजिक ने किया निराश, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** मेटल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम मेटलॉजिक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 86 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1 रुपये के डिस्काउंट के साथ 85 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 85 रुपये के स्तर पर ही कारोबार कर रहे थे।

ओम मेटालॉजिक का 22.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.47 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन

में सिर्फ 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.53 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25,98,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.22 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 55 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 60.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में लगातार गिरावट दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर कर्ज का बोझ 11.55 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में घट कर 11.04 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज कम होकर 10.35 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

## जी. किशन रेड्डी और सीएम पेमा खांडू ने किया अरुणाचल प्रदेश की पहली वाणिज्यिक कोयला खदान का उद्घाटन

एजेंसी

**गुवाहाटी।** केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के साथ चांगलांग जिले में नामचिक नामफुक कोयला खदान का उद्घाटन किया, जो राज्य की पहली वाणिज्यिक कोयला खनन परियोजना के रूप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने परियोजना स्थल पर भूमि पूजन किया और ''100 वृक्षारोपण पहल'' के तहत

पौधरोपण अभियान में भाग लिया। इसके बाद नामचिक नामफुक कोयला खदान का औपचारिक उद्घाटन किया गया। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में खनन पट्टा सौंपे जाने और नामचिक-नामफुक सेंट्रल कोल ब्लॉक के लिए सीपीपीएल के उपकरणों और मशीनरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे खनन कार्यों की आधिकारिक शुरुआत हुई। ये आयोजन अरुणाचल प्रदेश की आर्थिक यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ता है, जो इसे भारत के कोयला और ऊर्जा मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करता है।

## स्टॉक मार्केट में विजयपीडी स्यूटिकल की फ्लैट लिस्टिंग से निराश हुए निवेशक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** फार्मास्यूटिकल उत्पादों और कंज्यूमर गुड्स का डिस्ट्रीब्यूशन करने वाली कंपनी विजयपीडी स्यूटिकल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 35 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 35 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 35.958 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही इसमें गिरावट आ गई। दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 35 रुपये के स्तर पर ही कारोबार कर रहे थे। विजयपीडी स्यूटिकल का 19.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.37 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.86 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.89 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 55 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 18 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.65 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 98 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 107.59 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर कर्ज का बोझ 25.56 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 30.04 करोड़ रुपये हो गया।

## सोढानी कैपिटल की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म सोढानी कैपिटल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 51 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 56.86 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी ही देर में 84 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 64.71 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। सोढानी कैपिटल का 10.71 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 4.10 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मुंबई में ऑफिस की खरीदारी करने, म्यूचुअल फंड ऐप डेवलप करने, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.21 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 2.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 29 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 4.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 7 लाख रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में घट कर 5 लाख रुपये हो गया।

## मुंबई की हवाई यात्रा की कहानी को नए सिरे से लिखने को नवी मुंबई एयरपोर्ट तैयार

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश की आर्थिक राजधानी स्थित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए), जो मुंबई का दूसरा एयरपोर्ट भी है। आखिरकार वर्षों की प्रतीक्षा के बाद 8 अक्टूबर को यात्रियों के लिए खुल जाएगा। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इसका विकास नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) द्वारा किया गया है, जो एक संयुक्त उद्यम है। एनएमआईए में अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स की 74 फीसदी और सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। यह परियोजना डीबीएफओटी मॉडल (डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन, हस्तांतरण) पर आधारित है, जिससे ये सुनिश्चित होता है कि निर्माण और संचालन का अधिकांश भाग निजी निवेश द्वारा संचालित हो।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (एनएमआईए) नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईए) एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) है, जिसे नवी मुंबई महाराष्ट्र में ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना के डिजाइन, निर्माण, संचालन, रखरखाव और विस्तार के लिए गठित किया गया है। यह एक पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर आधारित परियोजना है।

## ढिल्लों फ्रेट कैरियर की जबरदस्त गिरावट के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस कंपनी ढिल्लों फ्रेट कैरियर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 57.60 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में थोड़ी ही देर बाद ये शेयर गिर कर 54.72 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ढिल्लों फ्रेट कैरियर का 10.08 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स

(एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.87 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 14 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कॉमर्शियल गाड़ियों की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 36 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.09 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 1.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 2 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 25.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 4.39 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 4.80 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज घट कर 3.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 1.33 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में घट कर 98 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 2.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

## पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भारी बारिश के कारण चार लोगों की मौत, 28 अन्य घायल

एजेंसी

**मुल्तान।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के कारण हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। पंजाब प्रांत के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। पंजाब में राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रहे फारूक अहमद के बयान के मुताबिक पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण हुई अलग-अलग दुर्घटनाओ में दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि फैसलाबाद में भारी बारिश के कारण घर की छत गिरने से 12 साल की एक नाबालिग लड़की और आठ साल के एक लड़के की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि ननकाना साहिब में एक 70 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कसूर में भी एक 65 वर्षीय व्यक्ति की मौत की खबर है। अहमद ने बताया कि समुंद्री, जरानवाला और काकरवाला में बारिश के कारण घरों की छत गिरने की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम छह लोग घायल हो गए। इसके साथ ही चक में चार, मनावाला में तीन और फकीरवाली, अल्लाहाबाद और साहीवाल में अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों के घायल होने की खबर है।

## ड्रोन हमले के बाद रूस की किरिशी रिफाइनरी का सबसे बड़ा यूनिट बंद

**मॉस्को।** रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक किरिशी ऑयल रिफाइनरी को ड्रोन हमले और उसके बाद लगी आग के कारण अपना मुख्य क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू-6) बंद करना पड़ा है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, यह हमला 04 अक्टूबर को हुआ था और इस यूनिट की मरम्मत में करीब एक माह का समय लग सकता है। यह बंदी उस समय हुई है जब रूस ईंधन संकट से जूझ रहा है। देश में कई लोकप्रिय किस्मों के पेट्रोल की कमी चल रही है, जबकि यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने ऊर्जा ढांचे को बार-बार निशाना बनाया है। सूत्रों के मुताबिक, सीडीयू-6 की क्षमता 8 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (लगभग 1.6 लाख बैरल प्रतिदिन) है, जो रिफाइनरी की कुल प्रसंस्करण क्षमता का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा है। रिफाइनरी का संचालन सर्गुतनेफ्तेगाज कंपनी के अधीन है, जिसने फिलहाल टिप्पणी करने से इनकार किया है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने सितंबर में ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त अपने दूसरे प्रमुख यूनिट को फिर से चालू कर दिया है। सीडीयू-6 के रखरखाव के दौरान रिफाइनरी 70 प्रतिशत क्षमता पर काम करती रहेगी, अन्य यूनिट्स के अधिकतम उपयोग से उत्पादन में गिरावट को आंशिक रूप से संतुलित किया जाएगा।2024 में इस रिफाइनरी ने 17.5 मिलियन टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया था, जो रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता का 6.6 प्रतिशत था। इस अवधि में रिफाइनरी ने 2 मिलियन टन पेट्रोल, 7.1 मिलियन टन डीजल, 6.1 मिलियन टन फ्यूल ऑयल, और 6 लाख टन बिटुमेन का उत्पादन किया था।

## दारफुर नरसंहार : आईसीसी ने पहले मिलिशिया नेता को युद्ध अपराधों का दोषी ठहराया

**द हेग।** अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने सूडान के दारफुर क्षेत्र में बीस साल पहले किए गए अत्याचारों के मामले में पहली बार किसी मिलिशिया नेता को दोषी ठहराया है। अदालत ने अली मुहम्मद अली अब्द-अल-रहमान को मानवता के विरुद्ध अपराधों और युद्ध अपराधों के 27 मामलों में दोषी पाया है, जिनमें हत्या, बलात्कार और उत्पीड़न शामिल हैं।अदालत ने कहा कि सजा की अवधि बाद में निर्धारित की जाएगी, जिसके लिए अलग से सुनवाई होगी। यह मामला 2005 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आईसीसी को सौंपा था, जो सूडान से जुड़ा यह पहला और एकमात्र मुकदमा है, जिससे यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय न्याय के इतिहास में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। गौरतलब है कि अभी भी सूडान के कई वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट लंबित हैं, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर भी शामिल हैं, जिन पर जनसंहार के आरोप हैं।

## मैरी ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची को मिलेगा चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार

**स्टॉकहोम।** वर्ष 2025 के लिए चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गयी। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को यह पुरस्कार मिला है। तीनों को पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस (परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता) से संबंधित खोज के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम का ऐलान किया। इन तीनों को 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में 10.3 करोड़ रुपये, गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र पुरस्कार के तौर दिया जाएगा। ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची ने इम्यून सिस्टम के सुरक्षा गार्ड यानी रेगुलेटरी टी-सेल्स की पहचान की, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि इम्यून सेल हमारे अपने शरीर पर हमला न करें। इसके आधार पर कैंसर और ऑटोइम्यून रोगों के इलाज खोजे जा रहे हैं। इसके अलावा इन खोजों की मदद से अंग प्रत्यारोपण में भी मदद मिल रही है। दरअसल, हमारा इम्यून सिस्टम हर दिन हजारों-लाखों सूक्ष्मजीवों से हमारी रक्षा करता है। ये सभी सूक्ष्मजीव अलग-अलग दिखते हैं। कई ने तो अपने आप को मानव कोशिकाओं जैसा दिखाने की क्षमता विकसित कर ली है, जिससे इम्यून सिस्टम को यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि हमला किस पर करना है और किसकी रक्षा करनी है। चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) की खोज के लिए प्रदान किया गया था।

# पाकिस्तान अपने ही लोगों पर बमबारी करता है, दुनिया सब जानती है : भारत

एजेंसी

**न्यूयॉर्क।** संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नजर भारतीय भू-भाग खासकर जम्मू-कश्मीर पर है। हर वर्ष भारत की पाकिस्तान भ्रामक निंदा करता है। यह वही देश है, जो अपने लोगों पर बमबारी करता है। सुनियोजित नरसंहार करता है। 1971 का ऑपरेशन सर्चलाइट इसका गवाह है। दुनिया पाकिस्तान के दुष्प्रचार को समझती है। इस बहस का विषय महिला, शांति और सुरक्षा रहा। न्यूयॉर्क स्थित भारत का स्थायी मिशन ने छह अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दिए गए राजदूत पार्वथानेनी हरीश का पूरा वक्तव्य जारी किया है। वक्तव्य के अनुसार, पार्वथानेनी ने कहा कि पाकिस्तान वही देश है, जो केवल गुमराह करने और अतिशयोक्ति से दुनिया का ध्यान

भटकाने की कोशिश कर सकता है। यह वही देश है जिसने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया और अपनी ही सेना को 4,00,000 महिलाओं के नरसंहारी सामूहिक बलात्कार के सुनियोजित अभियान को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि भारत महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में अटल है। भारत अपने सहयोगियों, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और साझा चुनौतियों के सामूहिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए तत्पर है। वैश्विक शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति के रूप में भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में निरंतर योगदान दिया है। 1960 के दशक की शुरुआत में प्रस्ताव 1325 को अपनाने से बहुत पहले भारत ने कांगो में महिला चिकित्सा अधिकारियों को तैनात किया था। यह संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की सेवा के शुरुआती उदाहरणों में से एक था। स्थायी प्रतिनिधि हरीश ने कहा कि इस प्रारंभिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति 2007 में और भी स्पष्ट हुई, जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में पहली बार पूरी तरह से महिला पुलिस इकाई लाइबेरिया में तैनात की।

इसने लाइबेरिया के समाज में एक बदलाव को गति दी। महिलाएं रक्षक और आदर्श दोनों हो सकती हैं। यह पहल वास्तव में एक क्रांतिकारी बदलाव साबित हुई। उन्होंने कहा कि महिला शांति सैनिकों को आगे बढ़ाने में भारत के नेतृत्व का उदाहरण भारतीय पुलिस सेवा की पहली महिला अधिकारी डॉ. किरण बेदी की 2003 में पहली महिला पुलिस सलाहकार और संयुक्त राष्ट्र पुलिस प्रभाग की प्रमुख के रूप में नियुक्ति से मिलता है।

## बलोचिस्तान में जाफ़र एक्सप्रेस में विस्फोट, छह डिब्बे बेपटरी

एजेंसी

**क्वेटा।** पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में जाफ़र एक्सप्रेस में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में कई लोगों के घायल होने की खबर है। हमले की जिम्मेदारी बलोच रिपब्लिक गार्ड्स (बीआरजी) ने ली है। बीआरजी का दावा है कि इस हमले में पाकिस्तान के कई सैनिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को सिंध-बलोचिस्तान सीमा के करीब सुल्तानकोट इलाके के पास क्वेटा जाने वाली जाफ़र एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया। यह विस्फोट पटरियों पर लगाए गए एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किया गया, जिससे क्वेटा जाने वाली यात्री ट्रेन के कम से कम छह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस बीच बलोच

लड़ाकों के समूह बलोच रिपब्लिक गार्ड्स (बीआरजी) ने एक बयान में कहा कि ट्रेन पर उस समय हमला किया गया जब पाकिस्तानी सेना के जवान उसमें यात्रा कर रहे थे। विस्फोट में कई सैनिक मारे गए हैं जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हमले के कारण ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। बीआरजी इस हमले की ज़िम्मेदारी लेता है और घोषणा करता है कि बलोचिस्तान की आज़ादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। इस बीच बचाव दल एवं सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं। सोशल मीडिया पर विस्फोट स्थल से साझा की गई तस्वीरों में दिखाया गया है कि विस्फोट में कई लोग घायल हुए हैं। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

## निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यतालिका सार्वजनिक किए जाने का माओवादी पार्टी का समर्थन

एजेंसी

**काठमांडू।** नेपाल की माओवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग द्वारा आम चुनाव की कार्यतालिका सार्वजनिक किए जाने का स्वागत किया है। पार्टी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने माओवादी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को चुनाव की तैयारी में जुटने का निर्देश दिया है। राजधानी के पार्टी मुख्यालय मे मंगलवार को बुलाई गई पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में सभी से चुनाव कार्य में जुटने की अपील की गई है।

प्रचण्ड ने तय समय पर चुनाव करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा सार्वजनिक की गई कार्यतालिका का स्वागत किया है। माओवादी प्रवक्ता अग्नि प्रसाद सपकोटा ने कहा कि आगामी प्रतिनिधि सभा चुनावों का सफल संचालन सुनिश्चित करने के लिए भंग संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों के साथ भी चर्चा किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माओवादी पार्टी निर्धारित तिथि में चुनावों को सुविधाजनक बनाने के लिए सकारात्मक

वातावरण बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। प्रवक्ता सपकोटा ने बताया कि चुनाव में भागीदारी के संबंध में सभी दलों के बीच रचनात्मक चर्चा हो रही है, जो चुनाव के साथ आगे बढ़ने पर आम सहमति का संकेत देती है।माओवादी पार्टी का मानना है कि संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र, संविधान और अन्य राजनीतिक उपलब्धियों की रक्षा के लिए चुनाव आवश्यक है। पार्टी बैठक के दौरान माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने जोर देकर कहा कि चुनाव निर्धारित तिथि में होने चाहिए। उन्होंने चुनाव में सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

# पुतिन और नेतन्याहू ने की मध्य पूर्व के हालात पर चर्चा

एजेंसी

**मॉस्को।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फोन पर हुई बातचीत में मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई। क्रेमलिन प्रेस सेवा के हवाले से रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी तास ने यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि व्लादिमीर पुतिन ने नेतन्याहू से गाजा पट्टी में सामान्यीकरण के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना पर भी चर्चा की। क्रेमलिन प्रेस सेवा ने बताया कि पुतिन और नेतन्याहू ने छह अक्टूबर की शाम हुई बातचीत के दौरान सीरिया और ईरानी परमाणु मुद्दे पर भी चर्चा की। इसमें कहा गया, दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों ने ईरानी परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी स्थिति और सीरिया में और अधिक स्थिरता लाने के लिए बातचीत के जरिए समाधान खोजने की इच्छा व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि ईरान के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान और ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बीच इस साल ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पांच दौर की परमाणु वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकला। नौ सितंबर को ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने मिस्र में सहयोग फिर से शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जून में इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था।29 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रूस और चीन के उस मसौदा प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें ईरानी परमाणु समझौते का समर्थन करने वाले प्रस्ताव संख्या 2231 को छह महीने के लिए बढ़ाने का प्रावधान था। संयुक्त राष्ट्र के ईरान-विरोधी प्रतिबंध 28 सितंबर से लागू हैं। पांच अक्टूबर को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि तेहरान को ढ्ढअंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग के अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना होगा। क्योंकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के बाद काहिरा समझौता अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। सीरिया की स्थितिः सीरिया में सशस्त्र विपक्षी इकाइयों ने नवंबर 2024 के अंत में अलेप्पो और इदलिब प्रांतों में सरकारी सैनिकों पर बड़े पैमाने पर हमला किया। 8 दिसंबर को वे दमिश्क में घुस गए, जबकि राष्ट्रपति बशर अल-असद ने पद छोड़ दिया और देश छोड़कर भाग गए। हयात तहरीर अल-शाम समूह (रूस में प्रतिबंधित) के नेता अहमद अल-शरा सीरिया के वास्तविक नए नेता बन गए। 29 जनवरी को, उन्होंने अंतरिम अवधि के लिए खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया, जो उनके अनुसार, चार से पांच साल तक चलेगी।

## हमास और इजराइल ने वार्ता के पहले दौर में सकारात्मक रुख अपनाया

एजेंसी

**शर्म अल-शेख (मिस्र)।** आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के प्रतिनिधियों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर यहां सकारात्मक माहौल में आज सुबह समाप्त हो गया। सोमवार शाम से शुरू इस वार्ता के कई दिन तक जारी रहने के आसार हैं। यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना पर केंद्रित है। द अरब न्यूज के अनुसार, मिस्र के सरकारी मीडिया अल-कहेरा न्यूज ने मंगलवार सुबह बताया कि हमास और मध्यस्थों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर सकारात्मक माहौल के बीच मिस्र में समाप्त हो गया है। वार्ता आज भी जारी रहेगी। बंद दरवाजों के पीछे और कड़ी सुरक्षा के बीच यह बातचीत इजराइल के कतर पर हमला करके हमास के प्रमुख वार्ताकारों को मारने की कोशिश के कुछ हफ्ते बाद शुरू हुई है। अल-क़हेरा न्यूज के अनुसार दोनों प्रतिनिधिमंडल के बीच चर्चा बंदियों और कैदियों की रिहाई के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श के साथ शुरू हुई। इसमें कहा गया है कि मिस्र और कतर के मध्यस्थ इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए एक व्यवस्था स्थापित करने

के लिए दोनों पक्षों के साथ काम कर रहे हैं। उधर, ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि उन्हें पूरी तरह यकीन है कि शांति समझौता संभव है। हमास के प्रमुख वार्ताकार खलील अल-हय्या ने वार्ता से पहले मिस्र के खुफिया अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बताया गया है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले और उसके बाद हुए युद्ध की दूसरी बरसी की पूर्व संध्या पर शुरू हुई वार्ता का यह दौर कई दिनों तक चल सकता है। मिस्र के अखबार अल-अहरम की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर ने वार्ताकारों से गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए तेजी से कदम उठाने का आग्रह किया है। उधर, ट्रंप की इस योजना में हमास के निरस्त्रीकरण की परिकल्पना की गई है। इसे समूह के स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है। गाजा पर युद्ध शुरू करने के बाद से इजराइल ने बार-बार वार्ता को बाधित किया है। इस बार यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 सूत्रीय रूपरेखा पर आधारित है। हमास ने कहा है कि उसकी मांगों में गाजा से पूरी तरह से इजराइली सेना की वापसी, स्थायी युद्धविराम और इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले जीवित और मृत, बचे हुए बंदियों की अदला-बदली शामिल है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इज़राइली बमबारी में 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 1,70,000 घायल हुए हैं। इस युद्ध ने गाजा की 24 लाख की 90 प्रतिशत आबादी को कई बार विस्थापित किया है। इजराइल के प्रतिनिधिमंडल में खुफिया अधिकारी और सलाहकार शामिल हैं। मुख्य वार्ताकार रॉन डर्मर के वार्ता की प्रगति के आधार पर इस सप्ताह के अंत में शामिल होने की उम्मीद है।

## बांग्लादेश में उदयन एक्सप्रेस का इंजन और तीन डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश में सिलहट के दक्षिण सुरमा उपजिले के मोगलाबाजार में आज सुबह ढाका जा रही उदयन एक्सप्रेस का इंजन और तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे सिलहट और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल सेवाएं बाधित हो गईं। यह दुर्घटना सुबह लगभग 6:40 बजे हुई। इस वजह से ढाका के लिए रवाना होने वाली कालनी एक्सप्रेस सिलहट रेलवे स्टेशन पर फंसी रही। ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, सिलहट जीआरपी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल कुद्दुस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एक रेल लाइन को फिर से

खोलने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि उदयन एक्सप्रेस चटगांव से आ रही थी। सिलहट रेलवे स्टेशन के प्रबंधक नूरुल इस्लाम ने बताया कि इस घटना में कई यात्रियों को मामूली चोटें आईं। स्टेशन प्रबंधक ने बताया कि एक बचाव ट्रेन और पुलिस दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

## बलोचिस्तान में हथियारबंद लोगों ने जज और पाकिस्तान की सेना ने चार लोगों को अगवा किया

एजेंसी

**क्वेटा (बलोचिस्तान)।** पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के खारान जिले में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत में आग लगा दी और न्यायाधीश मोहम्मद जान बलोच का अपहरण कर लिया। अभी तक किसी ने भी इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। उधर, पाकिस्तान की सेना ने एक महिला समेत चार लोगों को अगवा कर लिया है। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की 06 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, खारान में बड़ी संख्या में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत को घेर कर आग लगा दी। इसके बाद न्यायाधीश जान का अपहरण कर लिया। गौरतलब है कि बलोचिस्तान में हाल के दिनों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अपहरण की

घटनाओं में वृद्धि हुई है। इससे पहले, केच जिले के तांप क्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर और जियारत जिले के डिप्टी कमिश्नर के बेटे का भी अपहरण हो चुका है। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने डिप्टी कमिश्नर के अपहरण की जिम्मेदारी ली थी। उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया, जबकि जियारत डीसी का बेटा समित अभी भी लापता है। इस बीच पाकिस्तानी सेना ने खुजदार जिले की तहसील जाहरी कर्फ्यू लगाते हुए सभी प्रवेश और निकास मार्गों को सील कर दिया है। इस तहसील के नूरगामा शहर में इस समय बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सेना मौजूद है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने घरों पर छापा मारकर एक महिला समेत चार लोगों को अगवा कर लिया है। महिला की पहचान सफिया बीबी के रूप में हुई है, जबकि पुरुषों की पहचान जाहिद वुल्द अजीज, आसिफ बलूच और असद के रूप में हुई है।

## चीन का अमेरिकी राजदूत पर झूठ फैलाने का आरोप

एजेंसी

**न्यूयॉर्क।** लैटिन अमेरिकी देश पनामा में चीन के राज दूतावास ने वहां तैनात अमेरिकी राजदूत पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है ताकि चीन के साथ क्षेत्रीय देशों के संबंधों को कमजोर किया जा सके। गौरतलब है कि पनामा के एक डिजिटल मीडिया आउटलेट को दिए एक साक्षात्कार में अमेरिका के पनामा में राजदूत केविन कैब्रेरा ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन पनामा नहर में चीन की मौजूदगी को दुष्टता मानता है। उन्होंने दावा किया कि चीन सरकार भ्रष्टाचार के जरिए लैटिन अमेरिकी देश के साथ धोखाधड़ी कर रही है, जबकि अमेरिकी कंपनियां ऐसे कामों में लिप्त नहीं हो सकती हैं।उन्होंने चिली, पेरू और इक्वाडोर में चीन की परियोजनाओं को विनाशकारी बताया और उसकी निकारागुआ में प्रस्तावित नहर योजना को पर्यावरण के लिए नुकसानदेह बताया। कैब्रेरा ने चीन पर कोस्टा रिका, ग्वाटेमाला और पराग्वे में साइबर हमलों का आरोपभीलगाया और हुआवे की 5जी तकनीक को ÷अविश्वसनीय÷ बताया। इस बीच कैब्रेरा के साक्षात्कार के कुछ घंटों बाद ही चीनी दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी राजदूत ने एक बार फिर चीन से संबंधित मुद्दों पर झूठ फैलाया है। दूतावास ने कहा कि उनके बयान तथ्यात्मक आधार और वैज्ञानिक तर्क से रहित है और यह चीन और क्षेत्रीय देशों के बीच फूट डालने, उनकी कूटनीतिक स्वायत्तता छीनने और अमेरिकी भू-राजनीतिक हितों को बढ़ावा देने÷ का प्रयास है।चीनी दूतावास ने कहा कि चीन लगातार अपनी कंपनियों को स्थानीय कानूनों का पालन करने के लिए कहता है और उनकी परियोजनाएं स्थानीय आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देती हैं। उन्होंने अमेरिकी राजदूत के बयान को क्षेत्रीय देशों की समझदारी पर सवाल उठाना और स्थानीय जनता की बुद्धिमत्ता का अपमान बताया। चीनी दूतावास ने कहा, चीन के दोस्त पूरी दुनिया में हैं और सच्चे दोस्तों को डराया नहीं जा सकता। चीनी दूतावास ने आरोप लगाया कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा हैकिंग और निगरानी साम्राज्य है।

दूतावास ने अमेरिका से अपने अहंकार और पूर्वाग्रह को छोड़ने की अपील भी की। गौरतलब है कि वैश्विक व्यापार के लिए एक रणनीतिक केंद्र समझे जाने वाला पनामा, चीन और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से चुने जाने के बाद कई बार पनामा नहर को वापस लेने की बात कही है, जिसे अमेरिका ने 1999 में पनामा को सौंप दिया था।

## महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में 35 फीसदी बढ़ोतरी, यूएन ने जताई चिंता

**संयुक्त राष्ट्र ।** संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे में प्रगति की कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन ने यह भी बताया कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में वृद्धि हुई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सुरक्षा परिषद की महिला, शांति और सुरक्षा पर वार्षिक चर्चा में उन्होंने कहा, पूरे विश्वास और प्रतिबद्धता के साथ हम अक्सर इस तरह से इकट्ठा होते हैं, लेकिन जब संघर्ष में फंसी महिलाओं और लड़कियों के जीवन में वास्तविक बदलाव की बात आती है, तो हम पीछे रह जाते हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷हम समावेशिता की बात करते हैं, फिर भी अक्सर महिलाएं चर्चा में भागीदारी से अनुपस्थित रहती हैं। हम सुरक्षा की बात करते हैं, फिर भी यौन हिंसा बेखौफ जारी रहती है। हम नेतृत्व की बात करते हैं, फिर भी महिला शांतिदूतों को कम पैसे मिलते हैं, उन्हें खतरा है, और उन्हें कम मान्यता मिलती है। इससे न केवल महिलाओं को, बल्कि पूरे समाज को नुकसान होता है, फिर चाहें महिलाएं हों या पुरुष, लड़कियां हों या लड़के। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि महिलाओं, शांति और सुरक्षा के एजेंडे पर सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1325 को अपनाए जाने के पच्चीस साल बाद भी, स्थिति काफी चिंताजनक है और उल्टी दिशा में जा रही है उन्होंने कहा कि दुनिया भर में सैन्य खर्च और सशस्त्र संघर्षों में बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन महिलाओं व लड़कियों के खिलाफ हिंसा के चिंताजनक रुझान देखने को मिल रहे हैं।

## अमेरिका में शटडाउन से संकट बढ़ा, राष्ट्रपति ट्रंप स्वास्थ्य सेवा पर डेमोक्रेट्स से वार्ता को तैयार

एजेंसी

**वाशिंगटन।** अमेरिका में सरकारी शटडाउन का असर हवाई सेवा पर भी पड़ा है। स्टाफ की कमी के कारण बरबैंक हवाई अड्डा बिना यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। सीनेट के वित्त पोषण विधेयक को फिर से खारिज करने के कारण संकट गहरा गया है। सरकारी शटडाउन दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। अमेरिकी सरकार को फंड देने और शटडाउन को समाप्त करने के दो परस्पर विरोधी उपाय सीनेट में पांचवीं बार विफल रहे। इस गतिरोध के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के रुख में नरमी आई है। वह डेमोक्रेट्स से बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी शटडाउन को समाप्त करने पर गतिरोध एक और हफ्ते तक खिंचता दिख रहा है। दोनों दल फंडिंग में कमी के लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं। सीनेट के रिपब्लिकन सदन में की जा रही कोशिश अब तक कामयाब नहीं हो सकी है। डेमोक्रेटिक नेता अपनी इस मांग पर अड़े हैं कि फंडिंग उपाय में स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट का विस्तार शामिल हो। स्पीकर माइक जॉनसन मौजूदा स्थिति से हताश हैं। सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने रविवार को तर्क दिया कि शटडाउन का

समाधान केवल कांग्रेस नेताओं और राष्ट्रपति के बीच बैठक से ही संभव होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शटडाउन के समाधान की दिशा में प्रगति हो रही है। कांग्रेस के डेमोक्रेट्स ने किसी भी समझौते के तहत स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट को बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपब्लिकंस का कहना है कि स्वास्थ्य सेवा पर चर्चा शटडाउन खत्म होने के बाद ही होनी चाहिए। इस बीच स्टाफ की कमी के कारण दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित हॉलीवुड बरबैंक हवाई अड्डा बिना हवाई यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इस स्थिति के लिए सरकारी शटडाउन को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय उड्डयन प्रशासन ने एक सलाह में कहा कि हवाई अड्डे पर शाम 4ः15 बजे से रात 10 बजे तक कोई हवाई यातायात नियंत्रक नहीं होने की संभावना है। न्यूसम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप पर निशाना साधते हुए लिखा, आपकी सरकार के बंद होने के कारण आज शाम 4ः15 बजे से रात 10 बजे तक बरबैंक हवाई अड्डे पर कोई भी हवाई यातायात नियंत्रक नहीं है। परिवहन सचिव सीन डफी ने शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखाः यदि आप किसी को दोषी ठहराना चाहते हैं तो आईने में देखें। हम सभी जानते हैं कि यह आपका पसंदीदा काम है। ट्रंप ने कहा है कि वह स्वास्थ्य सेवा पर डेमोक्रेट्स के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल तभी जब वे फंड उपलब्ध कराने के लिए मतदान करेंगे। राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पोस्ट पर लिखा, मुझे डेमोक्रेट्स के साथ उनकी असफल स्वास्थ्य सेवा नीतियों या किसी भी अन्य मुद्दे पर काम करने में खुशी होगी, लेकिन पहले उन्हें हमारी सरकार को फिर से खोलने की अनुमति देनी चाहिए। इस पोस्ट के कुछ घंटे बाद उन्होंने कहा कि हम डेमोक्रेट्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। बहुत अच्छे परिणाम निकल सकते हैं। सीनेट के अल्पसंख्यक नेता और ऊपरी सदन के शीर्ष डेमोक्रेट चक शूमर ने कहा कि राष्ट्रपति की टिप्पणी सच नहीं है और व्हाइट हाउस के साथ बातचीत नहीं हो रही है।

## उपमुख्यमंत्री ने एनपीसी बॉडी बिल्डिंग और फिजिक प्रतियोगिता में भाग लिया, विजेताओं को पदक वितरित किए

**श्रीनगर 07 अक्टूबर।** उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने टैगोर हॉल श्रीनगर में राष्ट्रीय फिजिक समिति द्वारा आयोजित एक दिवसीय बॉडी बिल्डिंग और फिजिक प्रतियोगिता में भाग लिया।

यह प्रतियोगिता 55 किलोग्राम से 95 किलोग्राम भार वर्ग में आयोजित की गई थी, जिसमें सलीम को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया, जबकि क्लासिक फिजिक वर्ग में रियान ने बाजी मारी, जबकि पुरुष फिजिक प्रतियोगिता में ज़ैद अब्दुल्ला को विजेता घोषित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें एनपीसी बॉडी बिल्डिंग और फिजिक प्रतियोगिता में प्रेरित प्रतिभागियों की ताकत देखकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों की ऊर्जा और समर्पण हमारे युवाओं की सकारात्मक दिशा को दर्शाता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में लगाने और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की समस्या को रोकने के महत्व को समझती है। उन्होंने प्रतिभागियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में खेल को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए उन्हें उच्च स्तरीय बुनियादी ढांचा, सुविधा और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा ताकि वे राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार हो सकें।

## मुख्य सचिव ने खनन विभाग के कामकाज की समीक्षा की

**श्रीनगर 07 अक्टूबर।** मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने खनन विभाग के कार्यों की व्यापक समीक्षा की, जिसमें विशेष ध्यान एकी.त खनन निगरानी प्रणाली के कार्यान्वयन और प्रदर्शन पर दिया गया। यह तकनीक आधारित प्लेटफ़ॉर्म जम्मू-कश्मीर में खनन कार्यों की रीयल-टाइम निगरानी के लिए बनाया गया है।

बैठक में प्रधान सचिव खनन, प्रदूषण नियंत्रण समिति की अध्यक्ष, निदेशक भूविज्ञान एवं खनन, और संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने पूरे केन्द्र शासित प्रदेश में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अवैध खनन गतिविधियों को रोकने में आईएमएसएस का अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रणाली द्वारा उत्पन्न हर अलर्ट या ट्रिगर पर जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्रत्येक मामले में जवाबदेही तय करने और दोषी अधिकारियों या उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि उपायुक्तों को आईएमएसएस प्लेटफ़ॉर्म तक पहुंच दी जाए, ताकि वे अपने अधिकारिक क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफतुरंत और प्रभावी कार्रवाई कर सकें।

# आलू की खेती

भारत में आलू का उत्पादन मुख्यत: सब्जी के लिए किया जाता है । यहाँ कुल उत्पादन का करीब नब्बे प्रतिशत सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। सब्जी के अलावा इसका उपयोग डॉइस, खा, आटा, फलेक, चिप्स, फ्रेंच फ्राई, बिस्कुट इत्यादि बनाने में किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस से अच्छे प्रकार का स्टार्च, अल्कोहल आदि और द्विपदार्थ के रूप में अच्छा प्रोटीन भी मिलता है।

आलू की भरपूर पैदावार पाने के लिए उत्पादक बन्धुओं को कुछ बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस लेख में आलू की खेती से अधिकतम पैदावार कैसे प्राप्त करें की तकनीक का उल्लेख है।

दोमट तथा बलुई दोमट मिट्टियाँ जिसमें जैविक पदार्थ की बहुलता हो आलू की खेती के लिए उपयुक्त है। अच्छी जल निकासवाली, समतल और उपजाऊ जमीन आलू की खेती के लिए उत्तम मानी जाती है। आलू की खेती में तापमान का अधिक महत्त्व है। आलू की अच्छी उपज के लिए औसत तापमान कंद बनने के समय 17 से 21 डिग्री सेंटीग्रेड उपयुक्त माना जाता है।

सितम्बर माह के अंतिम सप्ताह में हल से चार से पाँच बार जोताई कर देनी चाहिये, जिससे 25 सेंटीमीटर गहराई तक खेत तैयार हो जाए हल्की तथा अच्छी जुती मिट्टी में आलू कंद अधिक बैठते हैं। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा दे देने से मिट्टी समतल तथा भुरभूरी हो जाती है एवं खेत में नमी का संरक्षण भी होता है। अंतिम जुताई के साथ हीं 20 टन प्रति हेक्टर सड़ी हुई गोबर की खाद खेत में देकर बराबर मिला देने से पैदावार में काफी वृद्धि हो जाती है। दीमक के प्रकोप से बचने के लिए अंतिम जोताई के समय ही 25 से 30 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से लिन्डेन मिट्टी में मिला देना चाहिये।

प्रतिवर्ष एक ही खेत में आलू की खेती करने से मिट्टी कीड़े तथा रोगों का घर बन जाती है। इसलिए उचित फसल-चक्र अपनाकर खेत बदलते रहना चाहिये। आलू दो फसली और तीन फसली सघन खेती प्रणाली में साधारणत: अच्छी पैदावार देता है। कम दिनों में तैयार होने वाली किस्में जैसे कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी कुबेर इत्यादि बहुफसली सघन खेती में उपयुक्त पायी गयी है।

आलू के साथ कुछ उपयुक्त फसल-चक्र इस प्रकार है, जैसे- मक्का - आलू - गेहूं मक्का - आलू - प्याज, मक्का - आलू - भिंडी और मक्का - गेहूं - मूंग आलू के साथ कुछ फसलों की मिश्रित खेती भी की जाती है।

आलू के दो मेडों के बीच गेहूं फसल सफलता पूर्वक उगायी जा सकती है।

अगेती किस्मों में कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी कुबेर और कुफरी बहार इत्यादि मुख्य है। इन सबों में कुफरी चन्द्रमुखी को अधिक उपयोगी माना गया है। ये किस्में 80 से 90 दिनों में तैयार हो जाती है और तीन फसली तथा चार फसली सघन खेती में भी अच्छी पैदावार दे देती है।

मध्यकालीन फसल के लिए कुफरी बादशाह, कुफरी लालिमा, कुफरी बहार और कुफरी ज्योति अच्छी किस्में पायी गयी हैं। ये किस्में 100 दिनों में तैयार होती हैं।

पछेती किस्मों में कुफरी सिन्दूरी अधिक लाभप्रद सिद्ध हुई है। यह लाल किस्म का आलू है और इसकी पैदावार क्षमता अन्य किस्मों की अपेक्षा अधिक है।

अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए उचित समय पर बोआई करना आवश्यक है। जब अधिकतम तथा न्यूनतम तापक्रम क्रमश: 30 व 18 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में रहे तो आलू की बोआई की जा सकती है। अक्टूबर के मध्य से नवम्बर के मध्य तक आलू की बोआई अवश्य कर देनी चाहिये।

सफल खेती के लिए स्वस्थ्य और रोगमुक्त बीज का उपयोग करना चाहिये। इसके लिए प्रमाणित बीज किसी विश्वसनीय संस्थान या एजेन्सी से खरीदना चाहिये। बोआई के पहले बीजों का पूर्ण रूप से अंकुरित करा लेना चाहिये। पूर्ण अंकुरण वाले बीज कंद जल्द उगते हैं तथा खेतों में कंद कम सडते हैं। पूर्ण बीज कंद का ही व्यवहार हमेशा करना चाहिये। अगर बड़े आकार को बीज कदं को काटना आवश्यक हो जाय तो काटे हुए बीज कंदों को इन्डोफिल एम- 45 दवा के 0.2 प्रतिशत घोल में 10 मिनट तक डुबाकर उसे उपचारित कर लेना चाहिये।

बीजों को छाया में सुखाकर ही खेत में रोपना चाहिये। इससे बीज कंद कम सड़ते हैं और मृदा जनित फफंदों से इन्हें छुटकारा मिल जाता है, आलू का बीज दर उनके आकर पर निर्भर करता है। बड़े आकार का बीज कंद अधिक लगता है, लेकिन पैदावार अधिक होती है। बहुत छोटे आकार के बीज कंद से पैदावार कम होती है। इसलिए मध्यम आकार का बीज कंद ही उपयोग में लाना चाहिये। 40 से 50 ग्राम आकार का बीज लगाने से एक हेक्टर में 40 से 50 क्विंटल और छोटे आकार 25 से 30 ग्राम का लगाने 25 से 30 क्विंटल बीज की आवश्यकता होती है।

खेत को अच्छी तरह तैयार कर लेने के बाद बोआई के लिए 50 सेंटीमीटर की दूरी पर मेड बना ली जाती हैं। उसमें रसायनिक खादों का मिश्रण देकर मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला लिया जाता है। मेडों की 20 से 20 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को रखकर उसे 10 सेंटीमीटर ऊँची मेड़ से ढक दिया जाता है। बुआई के बाद दो मेड़ों के बीच में सिंचाई की नाली बना दी जाती हैं, जिससे सिंचाई में सुविधा हो। पौधे जब 25 से 30 दिनों के हो जाये तो पंक्तियों में निराई-गुड़ाई करके खरपतवार को साफ कर देना चाहिये और मिट्टी को भुरभूरा कर देना चाहिये। निराई-गुड़ाई के बाद में नाईट्रोजन खाद की आधी मात्रा जड़ से 50 सेंटीमीटर की दूरी पर छिड़क कर मिट्टी चढ़ा देनी चाहिये। आलू के जड़ और कंद किसी भी अवस्था में दिखाई न दें क्योंकि खुला आलू कंद प्रकाश के सम्पर्क में हरे हो जाते हैं और खाने योग्य नहीं रहते। बीच-बीच में खुले आलु कंदों को मिट्टी से ढकते रहना चाहिये। यदि आप खरपतवार पर कीटनाशक से नियंत्रण चाहते है तो पेंडामेथलिन 30 प्रतिशत 3.5 लिटर का 900 से 1000 लिटर पानी में घोल बनाकर बुवाई के 2 दिन तक प्रति हेक्टेयर छिड़काव कर सकते है। जिसे खरपतवार का जमाव ही नही होगा।

आलू में पहली सिंचाई आलू बोआई के एक सप्ताह बाद करनी चाहिये और

उसके बाद प्रत्येक 8 से 10 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिये। आलू खुदाई के दो सप्ताह पहले सिंचाई बंद कर देनी चाहिये। ध्यान यह रखा जाना चाहिये, कि प्रत्येक सिंचाई में पानी आधी मेड़ तक ही देना चाहिये।

समय पर कीट व रोग नियंत्रण नहीं करने से फसल बर्बाद हो जाती है। आलू फसल के लिए लाही कीट अधिक नुकसान पहुँचाने वाला होता है। ये कीट पौधों का रस चूसते हैं, जिससे पत्तियाँ नीचे की तरफ मुड़ने लगती हैं। ये ही कीट विषाणु रोग भी फैलाते हैं। इन कीड़ों से बचाव के लिए फसल पर 0.1 प्रतिशत मेटासिस्टोक्स के दो से तीन छिड़काव 15 से 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिये। रोगों में आलू के अगेता और पछेता झुलसा रोग फसल को अधिक हानि पहुँचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए फसल पर इन्डोफिल एम- 45 दवा का 0.2 प्रतिशत घोल का 15 दिनों के अंतराल पर 2 से 3 छिड़काव करने चाहिये। आमतौर पर पछेती फसल पर पाला का असर ज्यादा होता हैं। अगेती फसल की खुदाई जनवरी माह तक हो जाती है। इसलिए इस पर पाला का असर नहीं होता। पछेते आलू में दिसम्बर और जनवरी माह के अधिक ठंढा की आंशका होने पर फसल की सिचाई कर देनी चाहिये। जमीन भींगी रहने पर पाला का असर कम हो जाता है। आलू पौधे के पत्ते पीला पड़ने लगे तब खुदाई शुरू कर देनी चाहिये। खुदाई के दो सप्ताह पहले सिंचाई बन्द कर देनी चहिये और तापक्रम बढ़ने के पहले खुदाई कर लेनी चाहिये। खुदाई के बाद आलू कंदों को छप्पर वाले घर में फैलाकर कुछ दिन रखना चहिये ताकि छिलके कड़े हो जायें। इसके बाद उपयोग के अनुसार आलू कंदों का वर्गीकरण कर देना चाहिये। 50 ग्राम से उपर और 20 ग्राम से छोटे आकार वाले कंदों को बेच देना चाहिये या खाने के उपयोग में लाना चाहिये एवं 20 से 50 ग्राम के बीच वाले आलू कंदों को 50 किलोग्राम वाले झालीदार बेग में भरकर उसे शीतगृह में गर्मी बढ़ने के पहले पहुँचा देना चाहिये। इसी आलू का बीज के लिए उपयोग करना चाहिये। आलू की पैदावार किस्म और समय पर निर्भर करती है, वैसे आमतौर पर सामान्य किस्मों से 300 से 350 क्विंटल और संकर किस्मों से 350 से 600 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार मिल जाती है। आलू की पैदावार रोगमुक्त और स्वस्थ बीज कंद पर अधिक निर्भर करती है। बीज कन्द पैदा करने की तकनीक खाने के लिए पैदा करने की तकनीक से भिन्न होती है। भारतीय आलू अनुसंधान संस्थान द्वारा निकाली गयी बीज खेत प्रविधि को अपनाकर किसान स्वयं आलू बीज पैदा कर सकते हैं। इस विधि का मुख्य उद्देश्य है कि ऐसे समय में आलू पैदा किया जाए जिस अवधि में लाही कीटों का प्रकोप नहीं के बराबर हो लाही आलू में विषाणु रोग फैलाने का एक मुख्य स्रोत है।

लाही कीटों का प्रकोप बहुधा मैदानी इलाकों में मध्य जनवरी के बाद ही होता है। इसलिए बीज के लिए आलू रोपाई से खुदाई तक का समय मध्य अक्टूबर से मध्य जनवरी तक ही उत्तम सिद्ध हुआ है। आलू बीज उत्पादन सम्बन्धी कुछ प्रमुख बिंदु है, जिन्हें रोगमुक्त बीज पैदा करने के लिए पालन करना अति अवश्यक है, जैसे-

1. ऐसे खेत का चयन करें जिसमें कम से कम दो साल पहले तक आलू, बैगन या टमाटर की फसल नहीं ली गयी हो।
2. किसी विश्वसनीय संस्था से निरोग और स्वस्थ प्रमाणित बीज प्राप्त करें।
3. आलू बीज कन्दों की रोपाई पूर्ण अंकुरण के बाद अच्छी तरह तैयार किये गये खेत में मध्य अक्टूबर तक अवश्य कर दें, ध्यान रखें कि दो आलू खेतों के बीच का फसला 20 मीटर से अधिक हो।
4. थिमेट 10 जी दवा का 8 किलोग्राम प्रति हेक्टर रोपाई के समय और किलोग्राम प्रति हेक्टर रोपाई के 45 दिनों के बाद खेत में प्रयोग करें।
5. गोबर की खाद एवं रसायनिक खादों की मात्रा रब्बी फसल के लिए अनुशंसित मात्रा के बराबर ही दें।
6. खरपतवार रोकथाम के लिए रोपाई के ठीक बाद खरपतवारनाशी दवा का उपयोग करें।
7. दिसम्बर के पहले सप्ताह में मेटासिरटॉक या रोगर दवा का 0.1 प्रतिशत घोल और इन्डोफिल एम- 45 दवा का 0.2 प्रतिशत घोल का फसल पर छिड़काव करें व 15 से 15 दिनों के अन्तराल पर दो छिड़काव और करें।

## डीसी कठुआ ने दिवाली की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की, सुरक्षा स्वच्छता एवं गुणवत्ता को सख्ती से लागू करने के निर्देश

**कठुआ, 07 अक्टूबर (हि.स.)।** डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने मंगलवार को आगामी दिवाली त्योहार के सुचारू आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की।उपायुक्त ने पीडीडी और पीएचई विभागों को त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग को जिले भर में पूरी तैयारी बनाए रखने के अलावा, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिन्हित स्थानों पर दमकल गाड़ियाँ तैनात करने के निर्देश दिए। अपराधी और उपमंडल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं द्वारा ही चिन्हित स्थानों पर और निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार की जाए। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और कीमतों पर कड़ी निगरानी रखने, उचित स्वच्छता सुनिश्चित करने और बाजार क्षेत्रों व अन्य व्यस्त इलाकों से अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिए। नगर निगम अधिकारियों को दिवाली से पहले और बाद में सफाई अभियान चलाने तथा बाजारों में भीड़भाड़ को रोकने के लिए सड़क किनारे विक्रेताओं को नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा पर जोर देते हुए उपायुक्त ने दूध, मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए बाजार में जाँच अभियान तेज करने का आह्वान किया और दोषी व्यापारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। विधिक माप विज्ञान विभाग को माप-तोल उपकरणों की जाँच तेज करने को कहा गया, जबकि पुलिस और यातायात अधिकारियों को वाहनों की सुचारू आवाजाही और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रभावी जमीनी स्तर पर निगरानी के लिए, त्योहारों के मौसम में बाजार निरीक्षण, गुणवत्ता जाँच और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की निगरानी के लिए सहायक निदेशक एफसीएस एंड सीए कठुआ, तहसीलदार कठुआ, सहायक नियंत्रक विधिक माप विज्ञान, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और टीएसओ कठुआ की एक संयुक्त समिति गठित की गई है। एएसपी कठुआ राहुल चरक ने बैठक में बताया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए सभी महत्वपूर्ण स्थानों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। बैठक में एडीसी कठुआ विश्वजीत सिंह, एसडीएम हीरानगर, संबंधित विभागों के कार्यकारी अभियंता, सीईओ नगर परिषद कठुआ, ईओ नगर समितियां लखनपुर और नगरी, सहायक निदेशक एफसीएस एंड सीए और अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी शामिल हुए। एडीसी बिलावर और बसोहली के साथ एसडीएम बनी ने वर्चुअल मोड के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

## विधायक राजीव भगत ने सेहोरा-बी में 16 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

**जम्मू, 7 अक्टूबर (हि.स.)।** बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव भगत ने आज बिश्नाह ब्लॉक की पंचायत सेहोरा-बी में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग 16 लाख रुपये की लागत के कार्यों की आधिकारिक शुरुआत की। ये पहल मुख्य रूप से गलियों और नालियों सहित आवश्यक सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर केंद्रित हैं, जो स्थानीय निवासियों के लिए नागरिक सुविधाओं और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस उद्घाटन समारोह में कई प्रमुख राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तियों ने भाग लिया और जमीनी स्तर पर विकास के लिए आवश्यक सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला। विधायक के साथ बिश्नाह की खंड विकास अधिकारी (बीडीओ), सुश्री सोनिया देवी, जेकेएएस और उनकी समर्पित टीम भी मौजूद थी जिसने इन परियोजनाओं के समय पर और उच्च-गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बीडीओ की प्रत्यक्ष उपस्थिति ने समुदाय को निर्माण मानकों के सख्त पालन और विकास के प्रति एक केंद्रित दृष्टिकोण का आश्वासन दिया।

इस समारोह में कई स्थानीय नेताओं और गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया जिनमें बिश्नाह ग्रामीण मंडल के प्रधान अभिषेक सिंह जामवाल; जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष मीयन कुमारी; महासचिव अर्जुन सिंह चरक; पूर्व पंच शीतल शर्मा; पूर्व पंच राम जी शर्मा; और विशाल शर्मा, द्वारका नाथ शर्मा, जीत लाल, विनोद शर्मा, अमित कुमार, दीपक शर्मा, बंटी शर्मा और जीत राज जैसे अन्य प्रभावशाली समुदाय के सदस्य शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने विकास के एजेंडे के प्रति व्यापक समर्थन का संकेत दिया।

STOP...!

MOSQUITO BREEDING

PREVENT MALARIA, DENGUE & CHIKUNGUNYA

- Do not allow water to stagnate in and around your surroundings.
- Keep water tanks and other water containers tightly covered with lids.
- Get your Blood tested from Govt. Hospital/ Health Worker in case of Fever with chills, rigors and headache.
- Empty water coolers once in a week.
- Discard/destroy Junk items like old tyres etc.
- Empty air coolers, drums, flower pots and birds bath weekly.
- Use Mosquito repellent creams and Bed nets while sleeping.
- Use netted screens on doors and windows.
- Wear full body clothes to prevent mosquito bites.
- Improve basic sanitation.

Symptoms

- **Dengue :** High fever, frontal headache, pain behind the eyes worsening with eye movement, muscle & joint paints, rash on the body, pain abdomen, nausea, vomiting, bleeding and low BP in severe cases.
- **Chikungunya :** Fever, joint paints, muscle pain, fatigue, headache, rash.
- **Malaria :** High grade fever with chills, sweating, headache, vomiting convulsions, weakness.

Visit nearby Health Institution if any of above diseases is suspected.
Investigations & Treatment are free of cost in Govt. Institutions

DIP/J-6633/25
Dtd: 7-10-2025

ISSUED IN PUBLIC INTEREST BY :
STATE MALARIOLOGIST/STATE PROGRAMME OFFICER, NVBDCP, J&K
DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES JAMMU